BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

स्वास्थ्य विभाग की मासिक ... 3 | www. bordernewsmirror.com | बॉडी हगिंग ड्रेस पहन राशि.. 8

जम्मू और कश्मीर में जैश से जुड़े आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

- कठुआ हमले के आतंकियों को वाई-फाई और खाना मुहैया कराया था, 5 जवान शहीद हुए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफीसर समेत 5 जवान शहीद हुए थे। इस हमले में आतंकियों की मदद करने वाले दो ओवर ग्राउंड वर्कर गुरुवार को गिरफ्तार किए गए हैं। दोनों आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। दोनों आतंकियों को खाने-पीने की चीजों के साथ ही वाई-फाई मुहैया कराते थे, ताकि आतंकी सीमा पार बैठे अपने हैंडल्स से बातचीत कर सकें। इन इलाकों के स्थानीय लोग आतंकियों की मदद करते हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लियाकत और राज के रूप में हुई है। 8 जुलाई के बाद से आतंकियों को ढूंढ़ने के लिए पुलिस ने 100 लोगों से पूछताछ की थी। इस पूछताछ के आधार पर दोनों वर्कर्स का पता चला था। 8 जुलाई को सुरक्षाबल दो ट्रकों में कठुआ के करीब माछेड़ी इलाके से इन्हें गिरफ्तार किया है।

आम आदमी पार्टी को दिल्ली में मिल गया नया ठिकाना

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र ने अलॉट किया नया दफ्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) को राजधानी दिल्ली में अपना नया दफ्तर मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी को नया दफ्तर आवंटित किया है। पार्टी ने बताया है कि उसके दफ्तर का नया पता अब बंगला नंबर 1, रविशंकर शुक्ल लेन, नई दिल्ली है। पंडित रवि शंकर शुक्ल लेन कॉपरनिकस मार्ग पर है। यह बाराखंभा रोड मेट्रो स्टेशन और जनपथ से बेहद नजदीक है। पैदल आप 10 मिनट से कम समय में पहुंच सकते हैं। इसले अलावा मंडी हाउस और पटेल चौक से भी अधिक दूर नहीं। 16 जुलाई को दिल्ली हाई कोर्ट केंद्र सरकार से कहा था कि राष्ट्रीय दल की मान्यता होने के नाते आम आदमी पार्टी के कार्यालय के लिए जमीन आंवटन पर 25 जुलाई तक फैसला लिया जाए। वहीं, पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट ने 'आप' को राउज एवेन्यू स्थित पार्टी कार्यालय को खाली करने के लिए दी गई समय सीमा 10 अगस्त तक बढ़ा दी थी।

यूपी पुलिस की रद्द परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान

- 60 हजार पदों के लिए 5 दिन होगा एग्जाम, 50 लाख छात्र शामिल होंगे...फ्री में बस यात्रा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान हो गया। परीक्षा अगस्त में 5 दिन- 23 से 31 अगस्त तक होगी। जन्माष्टमी के चलते 4 दिन का गैप रहेगा। परीक्षा 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को होगी। हर दिन दो शिफ्ट में एग्जाम होंगे। यानी 10 शिफ्ट में पूरी परीक्षा। एक शिफ्ट में करीब 5 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। पुलिस की यह परीक्षा इसी साल 17 और 18 फरवरी को प्रदेश के 75 जिलों में हुई थी। कई जगह पेपर लीक होने के बाद छात्रों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। एसआईटी जांच में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद योगी सरकार ने परीक्षा कैंसिल कर दी थी। एग्जाम में करीब 50 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। सीएम योगी ने 6 महीने के अंदर फिर से परीक्षा कराने का आदेश दिया था। यूपी पुलिस की सिपाही भर्ती परीक्षा अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा है।

घाटी के साथ अब जम्मू तक फैला आतंक का साया

- 7 जिलों में आतंकवादियों ने बढ़ाई अपनी गतिविधियां, सेना सतर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू के दस में से 7 जिलों में हाल ही में आतंकी हमलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इन घटनाओं के बाद अब कश्मीर में भी लाइन ऑफ कंट्रोल से लगे उत्तरी कश्मीर के तीन जिलों में घुसपैठ की सूचना मिली है। श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर के हवाले से बताया गया है कि कुपवाड़ा के कोवुत क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष इनपुट के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23 जुलाई तक एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को संदिग्ध गतिविधियां देखी गई और सैनिकों ने उन पर हमला किया। जिसके जवाब में घुसपैठियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन अब भी जारी है। पिछले कुछ हफ्तों में, उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला और बांदीपोरा जिलों में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान चलाए गए हैं। जम्मू में कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा, रियासी, राजौरी और पुंछ जिलों से घुसपैठ की कोशिशें और हमले हुए हैं। साथ ही भारी मात्रा में हथियारों को भी बरामद किया गया है। सेना और बीएसएफ के अधिकारियों ने कहा है कि फरवरी 2021 से भारत और पाकिस्तान के बीच नए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद लाइन ऑफ कंट्रोल के पार से घुसपैठ की कोशिश जारी है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा है कि कुछ लोग केंद्र शासित प्रदेश में शांति को पचा नहीं पा रहे हैं।

बारिश से नहीं राहत, कहर ढा रही आसमानी आफत

- महाराष्ट्र और गुजरात के बुरे हाल, पानी-पानी हुए कई शहर ● आठ लोगों की हो गई मौत, कई फ्लाइट्स तक हुईं कैंसिल, हिमाचल में बादल फटा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। भूस्खलन से मलबा सड़क पर आ आने के कारण रायगढ़-पुणे मार्ग पर तमहिनी घाट पर यातायात रोक दिया गया है। पुणे प्रशासन ने स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों से भी इस पर विचार करने का आग्रह किया है। अधरवाड़ी गांव में चट्टान खिसकने से एक व्यक्ति की मौत की भी खबर सामने आ रही है। भारी बारिश के कारण कई फ्लाइट कैंसिल होने की भी संभावना प्रबल हो गई है। मुंबई की बात करें तो यहां भारी बारिश के कारण कई फ्लाइट कैंसिल हो गई हैं। कई देरी से उड़ान भर रही हैं। राज्य के कई इलाकों में बाढ़ की वजह से ऐसी स्थिति बन आई है। मुंबई शहर को पानी की आपूर्ति करने वाली सात झीलों में से दो उफान पर हैं। सायन, चेंबूर और अंधेरी जैसे इलाके जलजमाव के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इंडिगो ने कहा है कि भारी बारिश के कारण उड़ानों के शेड्यूल में समय-समय पर देरी हो रही है। विमान कंपनी ने यात्रियों से हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले फ्लाइट की स्थिति की जांच करने को कहा है। एयर इंडिया ने कहा है कि भारी बारिश के कारण कुछ फ्लाइट रद्द और डायवर्ट की गई हैं। एयरलाइन ने आज की बुकिंग के लिए पूरा रिफंड या एक बार के लिए निःशुल्क यात्रा की पेशकश की है। स्पाइसजेट ने भी चेतावनी दी है कि फ्लाइट के प्रस्थान और आगमन पर असर पड़ सकता है और यात्रियों को स्थिति पर नजर रखने की सलाह दी है। रायगढ़ पुलिस के हवाले से कहा है, भूस्खलन के कारण रायगढ़-पुणे मार्ग पर तमहिनी घाट पर यातायात रोक दिया गया है। मलबा साफ होने तक अगले कुछ घंटों तक यातायात की यह स्थिति बनी रहेगी। वहीं, पुणे के जिला कलेक्टर सुहास दिवासे ने कहा, पश्चिमी घाट में पुणे के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो रही है। हमने सभी स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित कर दी है और हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

पेरिस ओलिंपिक- भारतीय महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टरफाइनल में-अंकिता की सीजन बेस्ट परफॉर्मेंस

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में गुरुवार को महिला तीरंदाजी के रैंकिंग राउंड की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय टीम इस राउंड में चौथे नंबर पर रही। उसने 1983 पॉइंट्स हासिल किए। टीम सीधे क्वार्टरफाइनल पहुंची है।इस राउंड में कोरिया ने ओलिंपिक रिकॉर्ड तोड़ा और 2046 पॉइंट के साथ पहले पोजिशन पर रही। चीन (1996) दूसरे और मैक्सिको (1986 पॉइंट्स) तीसरे नंबर पर रही।भारतीय तीरंदाज अंकिता ने सीजन का बेस्ट परफॉर्मेंस दिया है, वो 666 पॉइंट्स के साथ 11वें नंबर पर रहीं। भजन 659 पॉइंट्स के साथ 22वें और दीपिका कुमारी 658 पॉइंट्स के साथ 23वीं पोजिशन पर रहीं। इन तीनों को राउंड ऑफ-64 खेलना होगा।

पाक-चीन बॉर्डर पर जल्द लगेंगे एंटी-ड्रोन सिस्टम

- आसमान पर ही दुश्मन से निपटने की शुरू हुई तैयारी, ड्रोन पकड़ने पर 1 लाख का ईनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में सीमा पार से लगातार आ रही घुसपैठ और तस्करी की खबरों के बीच पंजाब सरकार ने इससे निपटने के लिए एक घोषणा की है। नशीली दवाओं की तस्करी से निपटने के लिए बॉर्डर पर जल्द ही एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात किए जाएंगे। पंजाब के राज्यपाल ने ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के लिए सीमा पार से ड्रोन के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की है। राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने बुधवार को घोषणा की है कि घुसपैठ को रोकने के लिए पाकिस्तान की सीमा से सटे पूरे क्षेत्र को ड्रोन रोधी तकनीक से लैस किया जाएगा। उन्होंने कहा, ड्रोन समस्या का समाधान होना चाहिए।

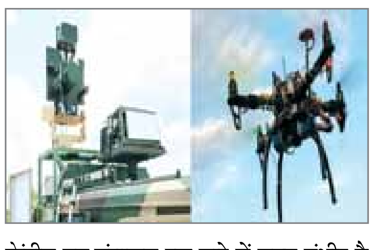

केंद्रीय गृह मंत्रालय इस बारे में बहुत गंभीर है और मुझे बताया गया है कि पाकिस्तान की सीमा से सटे क्षेत्र में एक साल के अंदर ड्रोन रोधी तकनीक विकसित कर ली जाएगी। राज्यपाल इस मामले में काफी ऐक्टिव हैं।

खनिजों पर टैक्स के मामले पर केन्द्र को 'सुप्रीम' झटका

- कहा-मिनरल्स पर दी जाने वाली रॉयल्टी टैक्स नहीं, राज्यों को टैक्स लगाने का हक है

नई दिल्ली (एजेंसी)। खनिजों पर टैक्स वसूलने के मामले पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने फैसला सुनाया है। सीजेआई ने कहा है कि बेंच ने 8-1 के बहुमत से फैसला किया है कि खनिजों पर लगने वाली रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जाएगा। सीजेआई ने कहा है कि माइंस और मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन एक्ट राज्यों की टैक्स वसूलने की शक्तियों को सीमित नहीं करता है। राज्यों को खनिजों और खदानों की जमीन पर टैक्स वसूलने का पूरा अधिकार है। खदानों और खनिजों पर केंद्र की ओर से अब तक टैक्स वसूली के मुद्दे पर 31 जुलाई को सुनवाई होगी। दरअसल, अलग-अलग राज्य सरकारों और खनन कंपनियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में 86 याचिकाएं पहुंची थीं। कोर्ट को को तय करना था कि मिनरल्स पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने के अधिकार राज्य सरकार को होने चाहिए या नहीं।

पूजा के फायदे के लिए माता-पिता ने लिया फर्जी तलाक!

सबूतों ने खोली पोल, पूजा खेडकर पर कसता जा रहा शिकंजा

पुणे (एजेंसी)। नखरेबाज आईएएस प्रोबेशनरी पूजा खेडकर को लेकर नया खुलासा हुआ है। पुणे पुलिस के सामने ऐसी जानकारी सामने आई है

कि दिलीप और मनोरमा खेडकर ने बेटी पूजा को फायदा पहुंचाने के लिए फर्जी तलाक लिया था। इस मामले में केंद्र सरकार ने पुणे पुलिस को उनकी वैवाहिक स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता लगा है कि दोनों ने कथित तौर पर तलाक के फर्जी दस्तावेज जमा किए थे। अभी ये जांच के दायरे में है। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने यूपीएससी में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर कोटे का गलत इस्तेमाल करते हुए झूठा दावा किया कि उनके माता-पिता में तलाक हो गया है। दरअसल, पूजा खेडकर ने दिल्ली में अपने मॉक इंटरव्यू के दौरान दावा किया था कि उनके परिवार की आय शून्य है क्योंकि उनके माता-पिता तलाकशुदा हैं और वह अपनी मां के साथ रहती थीं। उल्लेखनीय है कि पूजा के पिता एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी हैं।

यूपी में संविदा-आउटसोर्सिंग भर्तियों में आरक्षण की तैयारी

योगी सरकार उपचुनाव से पहले कर सकती है ऐलान, होगा खेला

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार संविदा और आउटसोर्सिंग से भरे जाने वाले पदों में जल्द रिजर्वेशन देने की तैयारी कर रही है। इस मसले को लेकर सरकार पर कई नेता दबाव बना रहे हैं। मौके की नजाकत देखते हुए सरकार ने आरक्षण व्यवस्था बहाल करने का मन बना लिया है। विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उप-चुनाव से पहले आरक्षण व्यवस्था लागू हो सकती है। संविदा और आउटसोर्सिंग से होने वाली भर्ती में आरक्षण का मसला विधानमंडल की समिति ने उठाया था। इसके बाद से यह तूल पकड़ रहा है। विपक्ष भी इस मुद्दे पर सरकार को घेर रहा। शासन और सत्ता के गलियारों में चर्चा है कि उप-चुनाव से पहले संविदा और आउटसोर्स से होने वाली भर्ती में एससी को 21 फीसदी, एसटी को 2 फीसदी और ओबीसी को 27 फीसदी

आरक्षण का फायदा मिल सकता है। संविदा कर्मचारीः इसमें सरकारी विभाग और कर्मचारी के बीच कॉन्ट्रैक्ट होता है। एक निश्चित सैलरी हर महीने विभाग देता है। इसका विज्ञापन विभाग निकालता है। कभी भी हटाए जा सकते हैं। आउटसोर्सिंग कर्मचारीः इसमें कंपनी या थर्ड पार्टी और विभागों में कॉन्ट्रैक्ट होता है। कंपनी या थर्ड पार्टी सरकारी विभागों को कर्मचारी उपलब्ध कराती है। कभी भी कॉन्ट्रैक्ट खत्म किया जा सकता है। इन दोनों से सरकार को काफी फायदा होता है। ऐसे कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी की तरह मूल वेतन नहीं मिलता। सरकारी सुविधाएं भी नहीं मिलती। साथ ही सरकार जब चाहे, कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर सकती है।

यूपी सरकार संविदा-आउटसोर्स कर्मचारियों की स्थिति कर रही पता

उत्तर प्रदेश सरकार के विभागों में आउटसोर्सिंग नियुक्तियों के संबंध में आंकड़े आने शुरू हो गए हैं। सूचना विभाग में 676 में से 512 आरक्षित वर्ग के आउटसोर्सिंग कर्मचारी हैं। इनमें से 340 सिर्फ ओबीसी वर्ग के हैं। यह संख्या 75 फीसदी के आसपास है, जबकि अभी इसमें आरक्षण का नियम लागू नहीं है। सरकार एक बार आंकड़े जुटा ले, फिर जवाब देगी कि अभी इसमें किस आरक्षित वर्ग के कितने कर्मचारी हैं। आउटसोर्सिंग और संविदा भर्ती नियुक्ति विभाग नहीं करता है। जिस किसी विभाग में संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों जरूरत होती है। वह खुद अपने स्तर से भर्ती करते हैं। यूपी में सबसे ज्यादा आउटसोर्सिंग कर्मचारी चिकित्सा, नगर और ग्रामीण विकास में हैं, लेकिन तीनों विभागों के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के आंकड़े जारी नहीं हुए हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने हाल ही में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग को पत्र लिखा। उन्होंने पत्र में सरकारी विभागों में संविदा और आउटसोर्सिंग से हुई भर्ती में आरक्षण व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही अब तक हुई भर्ती में आरक्षण का फायदा कितने युवाओं को मिला, इसका ब्योरा भी मांगा।

पटना में निगरानी विभाग का बड़ा एक्शन

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक 3 लाख घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

पटना। पटना में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। कृषि भवन में निगरानी की यह कार्रवाई हुई है। जिसमें कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक के साथ दो लोगों को रंगे हाथ घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। निगरानी के इस एक्शन से कृषि विभाग में हलचल मच गई। जानकारी के अनुसार, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (पटना प्रमंडल) विभू विद्यार्थी एवं प्रधान लिपिक सत्यनारायण कुमार को तीन लाख रुपया रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ दबोचा गया है। यह कार्रवाई मीठापुर स्थित कृषि भवन में की गई है। बताया जा रहा है कि, निगरानी ने दोनों आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। पटना में पहली बार किसी कृषि अधिकारी को तीन लाख रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।अब तक मिली जानकारी के अनुसार, खाद बीज

के दुकानदार से लाइसेंस मुहैया कराने के बदले रुपये की मांग की गई थी। इसकी शिकायत दुकानदार ने निगरानी विभाग में की। शिकायत के आधार पर मीठापुर स्थित कृषि विभाग में छापेमारी की। इसके बाद दोनों को दबोच लिया गया.यह पहला मामला नहीं है। इससे पहली भी राज्य के कई जिलों में निगरानी की रेड हुई है। जिसमें कई सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई है। बावजूद इसके लोग नजराना लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। यहां यह बताना भी जरूरी है कि विपक्ष के नेता हमेशा यह आरोप लगाते हैं कि बिहार के सरकारी अधिकारी बिना नजराना (घूस) लिए काम नहीं करते हैं। सरकार को इसपर लगाम लगाने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

भूमि सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक अंचल में लगेगा शिविर, जमीन मालिकों को मिलेगा स्वघोषणा पत्र

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। विशेष भूमि सर्वेक्षण का कार्य शुरू होने वाला है। इसे लेकर अंचल स्तर पर तैयारी की जा रही है। प्रत्येक अंचल में शिविर लगाया जाएगा। इसमें सर्वेक्षण से संबंधित सभी प्रकार के कार्य किए जाएंगे। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशक ने इससे सभी बंदोबस्त पदाधिकारियों को अवगत कराया है। कहा गया है कि इसके लिए क्षेत्र में प्रचार-प्रसार भी कराएं, ताकि सर्वेक्षण का कार्य शत-प्रतिशत किया जा सके। शिविर में अमीन समेत अन्य कर्मी व पदाधिकारियों को काम करने के लिए सामग्री खरीदने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई है।

सभी आवश्यक उपस्कर भी दिए जाएंगे। सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रत्येक शिविर में एक विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, दो कानूनगो, दो लिपिक व चार ग्राम पर एक अमीन की तैनाती भी की गई है। विदित हो कि जिले के सभी प्रखंडों में विशेष भूमि सर्वेक्षण होना निर्धारित है। इसे लेकर कर्मी व पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि सर्वेक्षण कार्य में किसी प्रकार की समस्या नहीं हो। सर्वे कार्य के लिए 416 कर्मचारी व पदाधिकारियों की टीम लगाई गई है। सर्वे कार्य शुरू करने से पहले भू-स्वामियों के बीच स्वघोषणा पत्र यानी फॉर्म-टू का वितरण करने के साथ व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने की भी तैयारी की जा रही है। इसके लिए प्रखंडों में माइकिंग भी कराई जाएगी। स्वघोषणा पत्र वितरण करने की जिम्मेदारी अंचल कर्मचारी को दी गई है।

सड़क हादसे में किराना दुकानदार की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। आरा-पटना नेशनल हाईवे पर गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर बाजार पर बुधवार रात बाइक सवार ने सड़क किनारे खड़े एक किराना दुकानदार को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद चालक बाइक लेकर फरार हो गया। मृतक गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी स्व. राम

इकबाल सिंह के 47 वर्षीय पुत्र अवध बिहारी सिंह है।

वह पेशे से किराना दुकानदार थे और कायमनगर बाजार पर किराना दुकान चलाते थे। इधर, मृतक के भाई रघुवर दयाल सिंह ने बताया कि वह सड़क किनारे खड़े थे तभी पीछे से आ रहे हैं तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन ने उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई और तीन बहन में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी मालती देवी, दो पुत्री अनुप्रिया,अस्मिता और एक पुत्र भोलेश्वर है।

बिहार को विशेष दर्जा न मेलने पर बोले लालू यादव

नीतीश कुमार ने सरेंडर कर दिया

पटना, एजेंसी। केंद्रीय बजट 2024 को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने निराशाजनक बताया है। वहीं, बिहार को विशेष दर्जा न मिलने पर उन्होंने कहा, उन्होंने (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) आत्मसमर्पण कर दिया है।

इससे पहले, राजद सुप्रीमो लालू यादव ने बजट को लेकर एक्स पर भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- एक घिसा-पिटा हट है ये बजट, जुमलों की रट है ये बजट, गरीब और किसान के सपने कर रहा बंजर है ये बजट, आम आदमी के दिल पर... खंजर है ये बजट।

राजद ने आम बजट में मिले विशेष पैकेज को बिहार के लोगों को गुमराह करने की कोशिश बताया है। बुधवार को राजद के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन, मृत्युंजय तिवारी और आरजू खान ने कहा कि बजट में अधिसंख्य पुरानी योजनाओं को री-पैकेजिंग कर लगभग 58 हजार करोड़ का विशेष पैकेज दिखाया गया है।

हकीकत तो यह है कि बिहार के एनडीए सांसदों की तुलना में कम सांसदों वाली तेलगु देशम पार्टी विशेष पैकेज के रूप में आंध्र प्रदेश के लिए बिहार से ज्यादा राशि और कई नई योजनाएं लेने में कामयाब रही।

राजद प्रवक्ताओं ने कहा कि पीरपैंती (भागलपुर) में पावर प्लांट लगाने का निर्णय मोदी सरकार बनने से पहले का है, जिसे पिछले दस वर्षों से केंद्र सरकार ठंडे बस्ते में डाली हुई थी। इसी तरह तत्कालीन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के कार्यकाल में 2022 में ही पूर्णिया एक्सप्रेस-वे का डीपीआर तैयार करने के लिए टेंडर मांग लिया गया था।

इसके अलावा, तेजस्वी यादव ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर अगस्त 2023 में ही बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस-वे को स्वीकृत करा लिया था। गया औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण मई 2023 में ही शुरू हो चुका है और महाबोधि कॉरिडोर भी एक साल पहले की योजना है। नीतीश कुमार ने बिहार की जनता के साथ जिस प्रकार से वादाखिलाफी की है, बिहार की जनता इसे माफ नहीं करेगी।

92 लाख का टारगेट, हाथ में मात्र 7 दिन

नीतीश राज में आयुष्मान कार्ड बनाने में सरकारी सुस्ती चरम पर

पटना, एजेंसी। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश की गरीब जनता को महंगा इलाज की सुविधा दिलाने के लिए आयुष्मान योजना चलाई जा रही है जिसमें पांच लाख तक का इलाज महंगे से महंगे नर्सिंग होम में दी जा रही है। बिहार में इस योजना में

भारी सुस्ती दिख रही है। आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने 18 से 31 जुलाई तक एक करोड़ नया आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा है। पहले सात दिनों में 24 जुलाई तक करीब 7 लाख 75 हजार आयुष्मान कार्ड ही बन सके हैं। इस तरह लक्ष्य हासिल करने के लिए अगले सात दिनों में स्वास्थ्य विभाग के सामने 92 लाख कार्ड बनाने की चुनौती है।

विशेष अभियान में आयुष्मान कार्ड बनाने की सुस्त गति में लक्ष्य पाना मुश्किल दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने जिलों को आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। दो दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर आयुष्मान कार्ड बनाने की स्थिति की समीक्षा की थी। मंत्री ने गांवों में माइकिंग कर लोगों को जागरूक करने के लिए कहा था। पीडीएस दुकान को 8 बजे से शाम तक खुला रखने का निर्देश दिया, ताकि लोग यहां आसानी से आयुष्मान कार्ड बनवा सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने आशा कार्यकर्ताओं को सभी लाभार्थियों को कार्ड बनाने हेतु प्रेरित करने की जरूरत पर बल दिया। इस दौरान मात्र 8 दिनों में ही 1 करोड़ 3 लाख 95 हजार 497 आयुष्मान कार्ड बनाए गए थे। तब एक-एक दिन में 12 से 16 लाख तक आयुष्मान कार्ड बनाए गए थे।

अब तक 3 करोड़ कार्ड बने

राज्य में कुल 1.79 करोड़ राशनकार्डधारी में 58 लाख परिवारों का मुख्यमंत्री जन आयोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाना है। कुल 8.71 करोड़ कार्ड बनाना है। इसमें अब तक 3 करोड़ कार्ड बने हैं। आयुष्मान योजना के तहत लाभुक परिवार को सालाना 5 लाख रुपए तक निशुल्क इलाज की सुविधा का प्रावधान है।

राशन दुकानों में लाभुक परिवारों के बन रहे कार्ड- अभियान के तहत जन वितरण प्रणाली की दुकानों में राशनकार्डधारी लाभुक परिवारों के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इस योजना के तहत कुल 956 अस्पताल सूचीबद्ध किए जा चुके हैं। 23 सितंबर 2018 से 30 जून 2024 तक 11 लाख 34 हजार 332 कार्डधारियों में राज्य और बाहर के 934 अस्पतालों में निशुल्क इलाज कराया है।

बीमारी से परेशान शख्स ने जहरीला पदार्थ खाया, इलाज के बाद ठीक

भागलपुर, एजेंसी। बबरगंज थाना क्षेत्र के अलीगंज के रहने वाले दिनेश मंडल ने अपनी बीमारी से परेशान होकर अनाज में डालने वाली दवाई खा ली जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिवार वालों को पता चला तो मायागंज में उनका इलाज कराया गया जिससे वे ठीक हो गए। घटना 22 जुलाई की थी। बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्होंने मायागंज में पुलिस को बताया कि उनके पेट में पथरी है और शुगर भी है। उनकी बीमारी ठीक नहीं हो रही थी। शुगर में सुधार नहीं होने की वजह से पथरी का ऑपरेशन नहीं हो रहा था। पेट में हमेशा दर्द रहता था। उससे तंग आकर उन्होंने अनाज में डालने वाली दवा खा ली। उल्टी होने पर पत्नी को सच्चाई बता दी जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लाया गया।

नीतीश कुमार पर भड़कीं लालू की बेटी रोहिणी

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरी दिन सदन में नीतीश कुमार को गुस्सा आ गया। आरक्षण पर भाषण देते हुए नीतीश कुमार राजद की महिला विधायक रेखा कुमारी पर भड़क गए। उन्होंने तल्ख लहजे में पूछा, अरे तुम महिला हो, कुछ जानती भी हो? सीएम के बयान पर अब राजद नेत्री रोहिणी आचार्य ने हमला बोला है।

रोहिणी आचार्य ने एक्स हैंडल पर लिखा- डर लगता है... आंख की गोटी बाहर निकालकर चीखने-चिल्लाने के चक्कर में दिमाग की नस न फट जाए कहीं किसी दिन मौकापरस्ती के शहंशाह की... बढ़ती उम्र के साथ-साथ दौरे पड़ने का सिलसिला भी बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, स्व-महिमामंडित व सिर्फ और सिर्फ स्वहित, स्वार्थ-संक्रमित अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने वाली एक अनैतिक सत्तालोलुप शख्सियत को एक अनुसूचित जाति की माननीया विधायिका का वाजिब बोलना नागवार गुजरा और फिर जिस लहजे में पद व सदन की गरिमा को ताख पर रखते हुए माननीय विधायिका को संबोधित किया गया, उसे अगर कोई जायज ठहरता है, तो उसे तत्काल मानसिक-चिकित्सक के परामर्श की जरूरत है। उन्होंने आगे लिखा, ऐसा पहली दफा नहीं हुआ है, अनैतिक सत्ताधारी गठबंधन के शीर्ष के लोगों के द्वारा महिलाओं के बारे में अभद्र-अमर्यादित टिप्पणियों-बयानों की एक परिपाटी ही बना दी गई है। ऐसे बयानों की लंबी लिस्ट है, जिनसे बिहार के साथ-साथ सदन की गरिमा भी तार-तार हुई है।

रोहिणी आचार्य ने लिखा, महिलाओं के ज्ञान को कमतर आंकने वालों, नारी-अस्मिता की कद्र नहीं करने वालों के हाथों में माता जानकी की जन्मस्थली बिहार की कमान है, इससे ज्यादा अफसोस और दुर्भाग्य की बात और क्या हो सकती है।

उन्होंने यह भी लिखा कि जिन लोगों के संरक्षण में, जिनकी सरपरस्ती में मुजफ्फरपुर - महापाप को अंजाम दिया गया, मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर घुमाए जाने जैसे कुकृत्य पर जिनके मुंह से निंदा-भर्त्सना का एक शब्द नहीं निकला, उनसे/उससे महिला-सम्मान की अपेक्षा रखना जहरीले नाग को जेब में रख कर नहीं डसे जाने के प्रति आश्वस्त होने जैसा है।

बांग्लादेश की महिला दरभंगा में चला रही थी सेक्स रैकेट

पासपोर्ट जब्त, तीन गिरफ्तार

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा में एक ऐसे सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है जिसे बांग्लादेश की महिला चला रही थी। लहेरियासराय थाना की पुलिस ने देह व्यापार में संलिप्त इस बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। छापेमारी के दौरान एक अन्य लड़कियां भी पकड़ी गई है जिससे पूछताछ की जा रही है। एक स्थानीय पुरुष को भी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि रिहायशी इलाके में महिला काफी समय से यह रैकेट चला रही थी जिसकी कानों कान खबर किसी को नहीं थी। पुलिस ने उसका पासपोर्ट जब्त कर लिया है।

स्थानीय पुलिस को सूचना मिली थी कि बेंता मोहल्ले में सेक्स रैकेट चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापेमारी की। पुलिस उस वक्त चौंक गयी जब उसे पता चला कि महिला बांग्लादेश के बांगर जिला की रहने वाली है। मामले की सूचना मिलने पर सिटी एसपी शुभम आर्य व सदर एसडीपीओ अमित कुमार जांच के लिए लहेरियासराय थाना पहुंचे। पूछताछ के बाद सिटी एसपी ने बताया कि दोनों सेक्स रैकेट चला रहे थे। कई युवती इनके संपर्क में रहती है। जांच के क्रम में कुछ युवतियों का भी नाम सामने आया है। ये लोग

अधिकतर लोकल एरिया में ही देह व्यापार करवाते हैं। इनका बड़े पैमाने पर अवैध धंधा चलता है। यह गिरोह ऑनकॉल भी लड़कियां भेजता था। लड़कियों को होटल या अन्य स्थानों पर पहुंचाया जाता था।

पुलिस अधिकारी अमित कुमार बताया कि आस पास के अन्य जिलों से भी इनका नेटवर्क जुड़े होने की बात सामने आई है। इन लोगों के मोबाइल की जांच की जा रही है। अभी तक जांच में कई लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस के द्वारा हरेक पहलू पर काम किया जा रहा है। सिटी एसपी ने बताया कि महिला बांग्लादेश से यहां कब और कैसे पहुंची, यहां कितने दिनों से रह रही है। इस सिलसिले में पूछताछ की जा रही है।

बिहार में एनआइए की बड़ी कार्रवाई, माओवादी नेता उदय जी हथियार-विस्फोटक के जखीरा के साथ गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। बिहार में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। एजेंसी ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक आदि की जब्ती को लेकर वर्ष 2021 में एक मामला दर्ज किया था। इसी मामले में बुधवार देर शाम को संगठन के विशेष क्षेत्र समिति सदस्य उदय जी उर्फ राजेश कुमार सिन्हा को गया के सुदूर इलाके से शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम और यूएपीए अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले में माओवादी परशुराम सिंह उर्फ नंदलाल के पास से हथियारों और गोला-बारूद के अलावा हथियारों और विस्फोटकों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कई आपत्तिजनक लेख और उपकरण आदि से बरामद किया

गया था। उदयजी ने परशुराम सिंह को दानापुर में हैंड ग्रेनेड के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इन हैंड ग्रेनेड को यहां तैयार करके बूढ़ापहाड़ में नक्सली जत्थे को सप्लाई किया जाता था।

एनआइ की जांच में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआइ (माओवादी) को हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति करने की एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ था। दिसंबर 2021 में एनआइए ने पांच आरोपी व्यक्तियों, अर्थात् परशुराम सिंह, संजय सिंह, राकेश कुमार, प्रेम राज उर्फ गौतम और मोहम्मद बदरुद्दीन के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। केंद्रीय समिति के एक अन्य सदस्य मिथिलेश मेहता उर्फ मिथिलेश वर्मा को गिरफ्तार करके जून 2022 में जेल भेज गया था। इस मामले की अभी जांच जारी है।

आज बिहार को गोपालगंज में एनआईए की कार्रवाई चल रही है। गोपालगंज से लॉरेंस विश्वनोई गैंग के दो गुर्गों की गिरफ्तारी ऑस्ट्रिया मेड हथियारों के साथ की गई है। इस मामले में उच्चस्तर पर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार गुर्गों का कनेक्शन झारखंड के अमन साहू गिरोर से हैं। एनआईए इस कनेक्शन को खंगाल रही है।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या कर शव को खेत में फेंका

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। पुलिस जिला नवगछिया के परबत्ता थाना अंतर्गत साहू परबत्ता के बोतल टोला के निवासी का शव बुधवार को इस्माईलपुर के घोड़िया बहियार में मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना इस्माईलपुर और परबत्ता पुलिस को दी गई। परबत्ता थाना अध्यक्ष शंभू पासवान मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से जानकारी ली। मृतक की पहचान अरुण मंडल के 23 वर्षीय पुत्र सुमन के रूप में हुई। मृतक की हत्या गला घोंटकर की गई है। हत्या का कारण प्रेम-प्रसंग बताया जा रहा है। घटना को लेकर के इस्माईलपुर और परबत्ता पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। युवक तीन दिन से लापता था। परबता थाना में अरुण मंडल ने पूर्व में ही पुत्र की गुमशुदगी का आवेदन दिया था। इसके बाद उसका शव बुधवार को बरामद हुआ। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है। लड़के की मोबाइल की जांच की जा रही है। दो दिन के अंदर में मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। युवक के शव का पोस्टमार्टम भागलपुर में कराकर के परिजनों को सौंप दिया गया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक का हुआ आयोजन

- शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ समय पर ओपीडी शुरू करें जिले के चिकित्सक - उप विकास आयुक्त
- बैठक मे पदाधिकारियों व कर्मियों को भव्या पोर्टल पर इंट्री का दिया गया निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर उप विकास आयुक्त समीर सौरभ की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में डीडीसी ने जिले के सभी डीएस, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारीयों को निर्देश दिया की सभी स्वास्थ्य संस्थानों मे चिकित्सक व कर्मियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति हो साथ ही समय पर ओपीडी शुरू हो, उन्होंने साफ-सफाई, दवा की उपलब्धता, जाँच की व्यवस्था को सुचारु रूप से करने का निर्देश दिया। पीपीटी के माध्यम से विभागों का डाटा की जानकारी लेते हुए सुधार करने का निर्देश दिया। बैठक में सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारियों को दवा की उपलब्धता व वितरण सही ढंग से सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया की जिले की स्थिति मे सुधार हो इसपर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने पदाधिकारियों व कर्मियों को भव्या पोर्टल पर इंट्री करने का निर्देश दिया

गया। जिले के डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने नियमित टीकाकरण से सम्बंधित अन्य बिंदुओं पर जानकारी दी। डीसीएम नंदन झा ने गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, एएनसी जांच, संस्थागत प्रसव से जुड़ी सेवाओं के बारे मे बताया।

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने जननी बाल सुरक्षा योजनांतर्गत लाभार्थियों के भुगतान, परिवार कल्याण आपरेशन की उपलब्धि की प्रखंडवार जानकारी दी।

मौसमी बीमारियों के नियंत्रण के लिए सतर्कता बरतना जरुरी- उपविकास आयुक्त समीर सौरभ ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को कार्यशैली मे सुधार करने का निर्देश दिया। साथ ही बरसात के मौसम मे होने वाली बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सतर्कता बरतने के साथ एन्टीलार्वा गतिविधियों पर अधिक ध्यान देने एवं मच्छरों के प्रजनन को रोकने हेतु दवाओं के छिड़काव के निर्देश दिए। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त के साथ सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. पीके सिन्हा, डीएस डॉ. अवधेश कुमार, डीपीसी, डीसीएम, अनुश्रवन पदाधिकारी सभी अस्पताल प्रभारी, भव्या, पीरामल स्वास्थ्य, पीएसआई इंडिया, सिफार, डब्लू एचओ, यूनिसेफ़ व अन्य पार्टनर एजेंसी के प्रतिनिधि व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

जिला उर्दू कोषांग का वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

मैट्रिक,इंटरमीडिएट व स्नातक के विद्यार्थी हुए शामिल

बीएनएम। मोतिहारी

उर्दू दिलों को जोड़ने वाली भाषा है। यह मीठी जुबान है और गंगा जमुनी तहजीब की मिशाल है। भारत की मूल भाषा है और समाज को एक सूत्र में बांधती है। उक्त बातें जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी सरफराज नवाज ने गुरूवार को मंत्रीमंडल सचिवालय, उर्दू निदेशालय के तत्वावधान में जिला उर्दू भाषा कोषांग द्वारा शहर के नगर भवन के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए कही। कहा कि जिंदगी में कामयाबी की मंजिल तय करने के लिए भाषा की जानकारी सबसे अहम है। अध्यक्षता कर रहे कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी मो.हैदर इमाम अंसारी ने कहा कि उर्दू व उर्दू भाषी छात्र-छात्राओं की बेहतरी के लिए सरकार कई स्तर से काम कर रही है। जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता, मुशायरा सहित कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। प्रतियोगिता में मैट्रिक, इंटर व स्नातक के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। संचालन कर्मी गुलाम रब्बानी ने किया। मौके पर अंजुमन उर्दू तरक्की के जिला सदर तनवीर

खान, कोषांग के दानीश रजा, हामिद नसीम हसन, मो.अख्तर हुसैन, बुलंद अख्तर, मो. इजहार अंसारी, मो.कलीमुल्लाह, मो.ओएस, सैयद माजिद हुसैन, मो. मुस्तकीम,गुलशन आरा,शारीक आलम,मो.उमर,मो. सोहैल शस्म,मो.समीउल्लाह,मो. जेयाउर्रहमान व रजी अहमद के अलावा निर्णायक मंडल के सदस्य तफतजील अहमद,पत्रकार ओजैर अंजुम,इन्तेजारूल हक,मेहर आलम,मो.एहसानुल्लाह आदि मौजूद रहे।

मैट्रिक या उसके के समकक्ष के लिए तालीम की अहमियत या सफाई की अहमियत या जल जीवन हरियाली, इंटरमीडिएट या उसके समकक्ष के लिए ग्लोबल वार्मिंग या शराब सभी बुराईयों की जड़ या जम्हूरियत निजाम में इंतखाबात की अहमियत व स्नातक या उसके समकक्ष वर्ग- के लिए मोलाजीम निस्वा की अहमियत या अफादियत या जहेज एक सामाजी लानत या जंग-ए-आजादी में उर्दू का किरदार।

संक्षिप्त समाचार

केसरिया में 43 फीसदी बच्चों को अब तक नहीं मिली पाठ्य पुस्तक

- अप्रैल से संचालित है शैक्षणिक सत्र
- पुस्तक के अभाव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर पड़ रहा असर

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर। सरकारी विद्यालयों की सूरत व सीरत बदलकर बेहतर शैक्षणिक माहौल बनाने का सरकार का दावा संसाधन के अभाव में खोखला साबित होता दिखाई दे रहा है। हालांकि विभाग करोड़ों रुपया खर्च कर विद्यालयों में आवश्यक संसाधन देने को लेकर प्रयासरत है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की शुरूआत को करीब चार माह बीतने को है। लेकिन प्रखण्ड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में नामांकित लगभग 43 फीसदी बच्चों को अब तक पाठ्य पुस्तक मुहैया नहीं करायी गई है। जिससे सरकारी विद्यालयों में नामांकित बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर असर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सरकारी विद्यालयों में वर्ग एक से आठवीं तक के नामांकित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करायी जाती है। आंकड़ों के अनुसार केसरिया प्रखंड क्षेत्र में प्राथमिक व मध्य विद्यालयों की कुल संख्या करीब 106 है। जिसमें वर्ग एक से आठ तक कुल 40967 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। इन नामांकित बच्चों में से 23490 को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करा दी गई है। यानि करीब 57 प्रतिशत बच्चों को किताब मिल गई है। इनमें हिंदी व उर्दू की किताबें शामिल हैं। शेष बच्चों के लिए पुस्तक की मांग विभाग से की गई है। वर्गवार बात करें तो पहली कक्षा में नामांकित 5255 बच्चों में से 3905, दूसरे वर्ग के 4899 में से 2689, तीसरे वर्ग के 5948 में से 3434 व चौथे वर्ग के 5355 में से 3041 बच्चों को किताब उपलब्ध करा दी गई है। वहीं कक्षा पाँच के 4952 में से 2538, छठा वर्ग के 4258 में से 2123, सातवां के 4368 में से 2063 व आठवां वर्ग के 5932 नामांकित बच्चों में से 3697 को निःशुल्क किताब दी गई है। इधर, प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार तिवारी ने बताया कि शेष बच्चों के लिए विभाग से पुस्तक की मांग की गई है। किताब उपलब्ध होते हीं शेष नामांकित बच्चों को पाठ्य पुस्तक मुहैया करा दी जाएगी।

गंडक नदी के तेज धार में छोटी नाव टूटी एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर चार मजदूरों की बचाई जान

बीएनएम। बगहा। गंडक नारायणी नदी में बगहा के चार मजदूरों की जान तब आफत पर बन आई जब लकड़ी छानने के क्रम में उत्तरप्रदेश के खड्डा थाना अंतर्गत पनियहवा क्षेत्र में उनकी छोटी नाव नदी की तेज धारा में टूट गई। चारों मजदूरों ने किसी तरह तैर कर पूल के स्लैब पर शरण लिया जिसके बाद हनुमानगंज थाना की पुलिस और खड्डा एसडीएम के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच उन मजदूरों का रेस्क्यू किया। बतादें की इन चारों मजदूरों की पहचान बगहा के कैलाशनगर स्थित वार्ड 8 के शैलेश,भुआली , राजकुमार और लोहा सहनी के रूप में हुई है। खड्डा के एसडीएम ऋषभ पुंडीर ने बताया की नाव पर लकड़ी लादकर लौटते समय उनकी नाव टूट गई और ये सभी पानी में डूबने लगे। जब सूचना मिली तो मैं खुद एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कराया। सभी को सुरक्षित उनके घर वापस भेज दिया गया है।

बायपास चौक पर स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा की सख्त आवश्यकता

बीएनएम। लखीसराय: हाल ही में निर्मित बायपास रोड चौक पर स्ट्रीट लाइट की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समुचित रोशनी के अभाव में यहां वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर, जब बड़े वाहन एनएच 80 से बायपास रोड में प्रवेश करते हैं, तब छोटे वाहन चालकों को मजबूरी में रुकना पड़ता है। बायपास चौक पर न तो गोलंबर बनाया गया है और न ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस की तैनाती की गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो यहां पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहेंगी। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द बायपास चौक पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए और यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए गोलंबर का निर्माण किया जाए।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एमजीसीयू में प्रक्षिक्षु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के अप्रेंटिसशिप सेल द्वारा चाणक्य परिसर स्थित पण्डित राजकुमार शुक्ल सभागार में व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड (पूर्वी क्षेत्र) बीओपीटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग प्रशिक्षु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन ब्लेंडेड मोड में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और उद्योग के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में काम करना और व्यावहारिक कौशल विकास और कैरियर उन्नति के लिए एक मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. पवन कुमार, नोडल अधिकारी, अप्रेंटिसशिप सेल, एमजीसीयू द्वारा परिचय एवं स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता, कामिनेदी चंद्र मौली, सहायक निदेशक, व्यावहारिक प्रशिक्षण बोर्ड, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता का स्वागत किया। विशिष्ट वक्ता, कामिनेदी चंद्र मौली ने शैक्षणिक ज्ञान और उद्योग कौशल के बीच अंतर को पाटने में प्रशिक्षुता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रोजगार क्षमता बढ़ाने और वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करने में प्रशिक्षुता की भूमिका पर जोर दिया। इस कार्यक्रम ने संस्थान के प्रशिक्षुता कार्यक्रमों के माध्यम से 5 वर्षों के भीतर छात्रों और नए स्नातकों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों और कैरियर लाभों की शुरुआत की। इस ओरिएंटेशन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्योगों और व्यवसायों की व्यावहारिक और विविध

श्रेणी से परिचित कराना और प्रक्षिक्षु कार्यक्रम के माध्यम से नए उद्यमशील लोगो की खोज एवं पहचान करना है। छात्रों को अप्रेंटिसशिप सेल के माध्यम से उपलब्ध अप्रेंटिसशिप अवसरों से परिचित कराया गया। विशिष्ट वक्ता ने प्रतिभागियों को आवेदन प्रक्रिया, कौशल आवश्यकताओं और उनकी प्रशिक्षुता योजनाओं में शामिल होने के लाभों पर बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। छात्रों के प्रश्नों और चिंताओं को दूर करने के लिए इंटरैक्टिव सत्र और प्रश्नोत्तर पैनल आयोजित किए गए। छात्रों की उत्साही भागीदारी ने उनके करियर आकांक्षाओं के अनुरूप व्यावहारिक जानकारी देने की यात्रा शुरू हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो रफीक उल इस्लाम, प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव, प्रो अजय कुमार गुप्ता, डॉ. नीलाभ, डॉ. अरविंद, डॉ. श्वेता, ऋतुप्राण रथ, मिस्बाउल इस्लाम, अदिति प्रज्ञा, सुनीता यादव, गोविंद राज, पूजा कुमारी, अदिति साह, किसन कुमार की भूमिका प्रमुख थी। प्रशिक्षु कार्यक्रम में 80 से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन और 60 विद्यार्थी ऑफलाइन सहभागिता किए।

वृद्धाश्रम का होगा संचालन, मिलेगी हर तरह की सुविधा - प्रीति कुमारी

बीएनएम। मोतिहारी

नगर निगम क्षेत्र में "वृद्धाश्रम" के संचालन हेतु शहर के बरियारपुर में स्थित ग्राम पंचायत सरकार भवन को परिवर्तित कर वृद्धाश्रम का संचालन कराने हेतु पंचायत सरकार भवन का जीर्णोद्धार एवं रंगरोगन कार्य कराया जा रहा है। इस प्रस्तावित योजना के तहत सभी वृद्धाश्रम बुजुर्गो की जरूरत और स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस होंगे। इस भवन में बुजुर्गों की जरूरतों के अनुसार एक भवन में मिलने वाली सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। नगर आयुक्त सुमन सौरभ यादव के साथ निरीक्षण के दौरान वहां उपस्थित अधिकारियों को ओल्ड एज होम में शेष बचे कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए। वृद्ध लोगों के लिए आवास, स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया जायेगा। इसका उद्घाटन के पश्चात यहां बुजुर्ग लोग अपनी आयु के अनुसार सुरक्षित और सुखी रह सकेंगे और अपने साथियों के साथ समय बिता सकेंगे। महापौर प्रीति कुमारी ने बताया कि यहां रहने वाले बुजुर्गो की हर तरह की सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ताकि उन्हें घर से अलग रहकर अकेलापन का आभास नहीं हो। पौष्टिक भोजन, मेडिकल, मनोरंजन सहित अन्य आधुनिक सुविधा मुहैया करायी जाएगी।

आज से आरंभ होगी माईनर पत्रों की परीक्षा

बिना भय के परीक्षा का अस्तित्व नहीं और बिना परीक्षा भय का निदान नहीं होता- केंद्राधीक्षक

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर गुरुवार को तीसरे दिन भी बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण व स्वच्छ संचालित हुई। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि बिना भय के परीक्षा का अस्तित्व नहीं और बिना परीक्षा भय का निदान नहीं होता। इस केंद्र पर परीक्षा संबंधी मानकों के अनुकूल शांतिपूर्ण व स्वच्छ परीक्षा संचालित हो रही है। यहां परीक्षा संबंधी मानकों के प्रतिकूल व्यवहार करनेवाले परीक्षार्थियों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार गुरुवार को सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर के लिए प्रथम पाली में ग्रुप ई तथा द्वितीय पाली में ग्रुप एफ के मेजर पत्रों की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 193 परीक्षार्थियों में 190 उपस्थित व 03 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 458 परीक्षार्थियों में 453 उपस्थित व 5 अनुपस्थित रहे। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। संयुक्त केंद्राधीक्षक डॉ.कुमार राकेश रंजन ने बताया कि मेजर पत्रों की परीक्षा समाप्त हो चुकी है। अब शुक्रवार से माईनर पत्रों की परीक्षा आरंभ हो रही है। शुक्रवार को प्रथम पाली में ग्रुप ए के इतिहास माईनर तथा द्वितीय पाली में ग्रुप बी के दर्शन शास्त्र, राजनीति विज्ञान व जंतु विज्ञान माईनर पत्रों की परीक्षा ली जाएगी। ज्ञात हो कि इस केंद्र पर डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मोतिहारी, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज एवं केएसआरएनएस कॉलेज केसरिया के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कमलेश कुमार सिंह व आरक्षक भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रहे। इस परीक्षा के संचालन में प्रो.राकेश रंजन कुमार, प्रो.अरविंद कुमार, डॉ.प्रभाकर कुमार, संजय कुमार वर्मा, डॉ. भुवनेश्वर सिंह, एनसीसी कैडेट्स बिट्टू कुमारी, प्रियांशु कुमारी आदि की महत्वपूर्ण भुमिका रही।

शराब तस्कर ने पुलिस के गाड़ी में मारा टक्कर, पुलिसकर्मी घायल

80 पीस 8 पीएम अंग्रेजी शराब के साथ बाइक बरामद, तस्कर फरार

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के गायघाट बाजार के समीप स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 80 पीस अंग्रेजी शराब 8 पीएम के साथ एक बाइक को बरामद किया गया। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि गस्ती में निकले 112 बाइक के पुलिस को सूचना मिली कि गायघाट रोड से शराब तस्कर शराब लेकर आ रहा हैं। सूचना पाकर 112 के पुलिस प्रवीण कुमार ने गायघाट रोड पर गया कि तेज गति में आ रहा शराब तस्कर 112 की बाइक गाड़ी देखते हुए जोरदार टक्कर मारी, जिससे प्रवीण कुमार अपनी बाइक लेकर गिर गए और घायल हो गए। मौके के फायदा उठाकर शराब लगा गाड़ी छोड़कर तस्कर फरार हो गया। प्रवीण कुमार के द्वारा इसकी सूचना थानाध्यक्ष को दी गई। थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दरोगा सुबोध कुमार, दरोगा मनीष राज, दरोगा संतोषी कुमारी और सशस्त्र बल

जप्त शराब के साथ पुलिसकर्मी

को भेजा गया, जहां प्रवीण कुमार को घायल अवस्था में पाया गया और गाड़ी वहीं पर दोनों पड़ी हुई थी। प्रवीण कुमार को बेहतर इलाज निजी हॉस्पिटल में कराया गया। बाइक पर पीले रंग के एक बोर में बैग रखा हुआ था। बैग खोला गया तो उसमें 8 पी एम अंग्रेजी शराब की फ्रूटी 80 पीस रखा हुआ था। जिसको पुलिस ने जप्त करते हुए गाड़ी और शराब को थाने लाया गया। जप्त गाड़ी सुपर स्प्लेंडर जिसका नंबर बी 22 ए सी1075 है। बाइक मलिक की तलाश कर उसे प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार ने बताया कि जप्त गाड़ी के मालिक

घायल पुलिसकर्मी प्रवीण कुमार

को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दरोगा सुबोध कुमार सिंह, दरोगा मनीष राज, दरोगा संतोषी कुमारी, सशस्त्र बल प्रीति कुमारी, चुन्नू कुमार घटना स्थल पर जाकर मामले की जानकारी लिया।

MADAN RAJ NURSING HOME
MR NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

जिलाधिकारी के नेतृत्व में जिलास्तरीय अधिकारियों का दल पहुंचा ठकराहां प्रखंड

विकास योजनाओं की हुई समीक्षा एवं निरीक्षण

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ किया ठकराहां प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण। विभिन्न योजनाओं का किए समीक्षा

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के नेतृत्व में गुरुवार को जिलास्तरीय अधिकारियों का दल गंडक पार के प्रखंड ठकराहा में पहुंचकर कर वहां विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रखंड कार्यालय, ठकराहा का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने प्रखंड कार्यालय के स्थापना, सामाजिक सुरक्षा, नजारत आदि के कार्यो, संचिकाओं एवं अभिलेखों की जांच की। इसके साथ ही कर्मियों से किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली और बेहतर तरीके से कार्यों को निष्पादित करने हेतु निर्देशित किया।उन्होंने कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। कार्यालय के सभी संचिका एवं अभिलेख अपडेट रखने का निर्देश देते हुए कहा कि विभिन्न कार्यों से कार्यालय आने वाले व्यक्तियों को बेवजह परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाय। अगर किसी कर्मी द्वारा किसी भी व्यक्ति को बेवजह परेशान करने की शिकायत मिलेगी तो तुरंत जांच करायी जायेगी और सख्त कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने इस दौरान विद्यालयों में शिक्षको की उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निरंतर अनुश्रवण करते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को बेहतर तरीके से कार्यालय का संचालन करने तथा आमजनों के कार्यों का त्वरित गति से नियमानुकूल संपादित करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी के निर्देश

के आलोक में जिलास्तरीय पदाधिकारियों का दल अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। तदुपरांत प्रखंड सभागार में जिलाधिकारी द्वारा आज के निरीक्षण के दौरान की वस्तुस्थिति की समीक्षा की गई। जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने निरीक्षण एवं समीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी को दी। जिलाधिकारी में स्पष्ट तौर पर कहा कि आज के इस निरीक्षण का उद्देश्य विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरना, लंबित योजनाओं की वस्तुस्थिति से अवगत होते हुए उसे जल्द से जल्द पूरा करना है। उन्होंने कहा की इस तरह का निरीक्षण सभी प्रखंडों में अब औचक किया जाएगा, जहाँ जिलास्तरीय पदाधिकारी प्रखंडों में पहुँच अपने-अपने विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन ससमय पूर्ण कराएंगे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविंद्र, अपर।समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदधिकारी अनिल कुमार सिन्हा अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन रामानूज सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा, डॉ0 अनुपमा सिंह, विशेष रूप कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित सभी जिलास्तरीय एवं अनुमंडल व प्रखंड स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज के प्रखंड इकाई बैठक आयोजित

बीएनएम। रामगढ़वा। जन सुराज अभियान जन सूरज अब अभियान से दल का स्वरूप प्राप्त करने वाला हैं! गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर कों दल का स्वरूप प्रप्त कर लेगा। इसके लिये पूर्ब मुखिया राजू श्रीवास्तव की कार्यालय पर जन सूराज की एक बैठक प्रमोद नारायण सिंह की अध्यक्ष में एक बैठक की आयोजित की गई। इस बैठक में 28 जुलाई कों पाटना में प्रस्तावित बैठक में जाने कों लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। पटना चलने के लिये रामगढ़वा में बैठक आयोजित की गई। साथ ही साथ दल कों मजबूती प्रदान करने के लिए बनाई गई रणनीति से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया। मौके पर सरपंच दीपक सिंह, जय मगल सिंह, महमद नुरुलहा, राज मोहम्मद,अनीश शुक्ला, अर्जुन सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

15 साल से कम उम्र के बच्चों की पढ़ाई, कपड़े और खाने का पूरा जिम्मा जन सुराज की सरकार उठाएगी-प्रशांत किशोर

बीएनएम। मधेपुरा। जन सुराज अभियान के तहत बिहार की पदयात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने मधेपुरा जिले के विभिन्न गांवों में जन सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब जन सुराज की सरकार बनेगी तब पन्द्रह वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मुफ्त शिक्षा, कपड़ा और भोजन दिया जाएगा। उन्होंने गुरुवार को मधेपुरा में सातवें दिन की पदयात्रा की। आज पदयात्रा की शुरूआत लक्सरी गांव से हुई जहां वे गोपालपुर में स्थानीय लोगों से बातचीत कर सिंहार होते हुए आलमनगर पहुंचे। गांव के लोगों ने प्रशांत किशोर की पदयात्रा का स्वागत बैंड-बाजा, ढोल-नगाड़ों से किया। लोग फूल मालाएं पहनाकर और चन्दन लगा कर उनका अभिवादन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि जब अगले साल जनता का राज बनेगा, तब नाली-गली बने चाहे न बने, साल भर के अंदर जितने आपके घर के लोग रोजी-रोजगार के लिए बाहर के दूसरे प्रदेशों में गए हुए हैं, उन्हें वापस बुलाकर बिहार में ही रोजगार मुहैया कराया जाएगा। इसके आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का दूसरा संकल्प है, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था करेंगे ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

धोखाधड़ी कर करीब ढाई लाख की कर ली निकासी, एफआईआर दर्ज

बीएनएम। केसरिया। विद्यालयों में थाली आपूर्ति करने वाले एजेंसी के कर्मी द्वारा धोखाधड़ी कर राशि गबन करने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत बाबा ग्लास कंपनी के मालिक मुजफ्फरपुर जिले के ब्रह्मपुरा निवासी अंजीत कुमार ने केसरिया थाना में अपने कंपनी के कर्मी सहित दो लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज करायी है। सूचक ने बताया है कि विभागीय स्तर से केसरिया प्रखण्ड अंतर्गत अवस्थित सरकारी विद्यालयों में थाली आपूर्ति करने का आदेश मिला था। उक्त आदेश के आलोक में प्रखण्ड क्षेत्र के विद्यालयों में थाली की आपूर्ति की गई। कंपनी के कर्मी मधुबन थाना क्षेत्र के जोगौलिया टोला गुलाब खां के मो इमरान आलम ने तुरकौलिया थाना क्षेत्र के बेलवतिया के शाहिद आलम से मिलकर आपूर्ति की गई थाली के विपत्र के करीब ढाई लाख रुपया का भुगतान कई विद्यालय के प्रधानाध्यापकों से छलपूर्वक करा लिया। उक्त राशि की निकासी शाहिद की कंपनी मेसर्स ग्रीन इंडिया स्टील फर्नीचर उद्योग के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से कर ली गई है। इस बात की जानकारी तब लगी जब कंपनी के एक अन्य कर्मी को विपत्र भुगतान के लिए विद्यालयों में भेजा गया। पीड़ित आवेदक ने बताया है कि जब इस बात को इमरान से पूछा तो अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी। सूचक ने आरोपी कर्मी पर दो लाख रुपया प्रतिमाह रंगदारी मांगने का भी आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने दो नई शाखाओं के साथ अपनी पहुँच का विस्तार किया

बीएनएम। बेतिया

गरीबों को भोजन कराने और विभिन्न सामाजिक कार्यों को करने के लिए समर्पित एक प्रसिद्ध धर्मार्थ संगठन रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट, पंजीकरण संख्या 5071/2023, ने हाल के हफ्तों में दो नई शाखाओं के उद्घाटन के साथ अपनी पहुँच का विस्तार किया है। रोटी बैंक मझौलिया के सफल शुभारंभ के बाद, ट्रस्ट ने अब नरकटियागंज में अपनी नवीनतम शाखा, रोटी बैंक नरकटियागंज का उद्घाटन किया है। यह नई शाखा कम भाग्यशाली एवं वंचितों की सेवा करने के ट्रस्ट के मिशन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन दो नई शाखाओं के जुड़ने से, रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत की है, जिससे यह जरूरतमंद लोगों तक पहुँचने में सक्षम हो गया है। गरीबों को भोजन, प्यार और सहायता प्रदान करने के लिए ट्रस्ट के समर्पण ने कई लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट के संस्थापक संजू गिरी

जी ने कहा, "हम पर जो भरोसा जताया गया है, उससे हम अभिभूत हैं और अपने काम को और भी अधिक जुनून और समर्पण के साथ जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" वहीं विनीत कुमार ने कहा कि ट्रस्ट का विस्तार सामाजिक कल्याण के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता और अधिक दयालु समाज बनाने के इसके दृष्टिकोण का प्रमाण है। मौके पर सोनू जायसवाल प्रिंस सर्राफ़, रज़नीश गुप्ता, उत्तम गुप्ता, धनंजय कुमार, अमन गुप्ता, दीपक आर्य, संतोष राज, अरविंद सर्राफ़ मौजूद रहे।

बंगाल टाईगर की दहाड़ से थर्राया ई टाईप कॉलोनी मवेशियों में मची भगदड़

बीएनएम। बगहा

वीटीआर के बीचों बीच बसा जलसंसाधन विभाग का ई टाइप कॉलोनी जो जटाशंकर चेकनाका से सटा हुआ है। रात के करीब एक बज रहे होंगें,लोग गहरी नींद के आगोश में थे।तभी ई टाइप कॉलोनी के कॉर्नर से चेकनाका जाने वाले शॉर्टकट रास्ते के समीप बंगाल टाईगर के तेज दहाड़ से जंगल समेत ई टाइप कॉलोनी थर्रा गया। इस दहाड़ से आवारा व पालतू मवेशियों में भगदड़ मच गई। चारो तरफ थोड़ी देर के लिए सन्नाटा छा गया,सिर्फ भगदड़ की आवाज़ सन्नाटे की चीरती रही।वहीं मौके पर खड़े सांड ने टाईगर की चुनौती को स्वीकार करते हुए ताल ठोकने शुरू किए और बार बार सांड ने भी दहाड़ लगानी शुरू की इस दहाड़ से कई लोगों की नींद टूट गई।हालांकि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।बतादें की ई टाइप कॉलोनी परिक्षेत्र मवेशियों के लिए एक बढ़िया चारागाह है,जहां खेत खलिहान नहीं है बल्कि

सिर्फ जंगल ही जंगल है।जहां दूर दराज के पशुपालक अपनी अक्षम मवेशियों को ट्रेक्टर ट्रॉली में लादकर इस क्षेत्र में छोड़ जाते है। ऐसे में टाइगर का भोजन प्रचुरता में उपलब्ध हो जाता है। बतादें की आए दिन टाइगर का ये आवारा खुले में छोड़े गए जानवर शिकार होते रहते है। बतातें चलें कि पूरा वाल्मीकिनगर क्षेत्र परिसर और वीटीआर जंगल के बीच किसी भी तरह का घेरा या बाड़ नहीं है,जिसकारण जंगली जीव जंतु रिहायशी इलाकों में बेरोकटोक चहलकदमी करते देखे जा सकते हैं। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वीटीआर जंगल से सटे ग्रामीण देर रात्रि को शौच आदि के लिए जंगल की तरफ नहीं जाए,अगर कोई विषम स्थिति बने या दिखे तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

धनहा बांसी में संचालित संजीवनी हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के बाद हंगामा

बीएनएम। बगहा

धनहा थाना क्षेत्र के तमकुहा बांसी मुख्य सड़क किनारे संचालित संजीवनी हॉस्पिटल में आज फ़िर एक प्रसूता की मौत के बाद हंगामा हुआ। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस औऱ मेडिकल टीम नें छानबीन शुरू क़र दिया है। दरअसल मरीज के परिजनों का आरोप है की उन्हें बरगला क़र संजीवनी हॉस्पिटल धनहा में भर्ती कराया गया औऱ फ़र्ज़ी चिकित्सक द्वारा ग़लत तरिके से शैल्य क्रिया के पूर्व ग़लत दवा का इस्तेमाल किया गया ज़ब मरीज की हालत बिगड़ने लगीं तो देख रेख भी नहीं किया गया हालांकि इसके एवज में मोटी रकम वसूल की गईं थीं।यहीं वज़ह है की समुचित इलाज़ के अभाव में तड़प तड़प क़र महिला की जान चली गईं। प्रसव के दौरान महिला की मौत पर बवाल मचा तो अस्पताल छोड़क़र संचालक औऱ चिकित्सक़ समेत सभी कर्मी फ़रार हो गए। जानकारी के मुताबिक बगैर किसी रजिस्ट्रेशन के नीम हकीम लम्बे समय से यहाँ प्रशासन क़ो चकमा देकर नीजी क्लिनिक चला रहे हैं जो विगत महीने ऐसी हीं घटना के बाद सील किया गया था । इधर मृतका के परिजनों क़ो क्लिनिक संचालक मुआवजा देनें की बात क़र मान मनव्वल में जुटे हैं क्योंकि पुलिस में अब तक किसी नें लिखित शिकायत नहीं की है । बताया जा रहा है की धनहा थाना क्षेत्र के सेमरहवा गाँव के पप्पू यादव की पत्नी पूजा यादव की मौत हुईं है जिसको लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया तभी हॉस्पिटल छोड़क़र सभी कर्मी भाग निकले। लेकिन मृतका की बहन ने 112 नंबर पर पुलिस को फ़ोन क़र घटना की सूचना दी लिहाजा मौके पर पहुंची 112 पुलिस के पीटीसी जय विक्रम ने दल बल के साथ मोर्चा संभाला औऱ धनहा थाना पुलिस क़ो सूचित किया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों नें हो हल्ला औऱ तोड़ फोड़ शुरू किया तो आक्रोशित लोगो को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले को शांत कराया गया, मृत महिला का शव अभी हॉस्पिटल में ही पड़ा हुआ है। इधर पुलिस के साथ मधुबनी दहवा के पीएचसी प्रभारी डॉ आनंद कुमार मौके पर पहुँचे औऱ घटना की पुष्टि करते हुए मामले की जाँच औऱ आगे की कार्रवाई में जुटे हैं। बतादें की लम्बे समय ऐसे संजीवनी हॉस्पिटल का संचालन धनहा समेत रामनगर औऱ बगहा के अलग अलग इलाकों में किया जा रहा है जहाँ सरकारी व डिग्री धारी चिकित्स्कों के नेम प्लेट व बोर्ड लगाकर नीम हकीम मरीजों की जान माल से खिलवाड़ क़र रहे हैं जिसपर रोक लगाने में प्रशासन ख़ासकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह नाकाम है लिहाजा सवाल उठने लाजिमी हैं की क्या एक बंधी बढ़ाई मोटी रकम एमओ आईं सी से लेकर ज़िलें के सीएमओ ऑफिस तक बाबुओ क़ो पहुंचाई जाती है तभी तो ऐसे अस्पताल सील होते हैं औऱ फ़िर ताले खुल जाते हैं औऱ झोलाछाप की मनमानी से उनकी चांदी कट रही है जिसका ज़वाब मिलना अभी बाक़ी है।

आइये मिलकर पेड़ लगाये जीवन बचाये, इस धरती को स्वर्ग बनाये: रानी कुमारी

बीएनएम। बेतिया

राजकीय +2 उच्च विद्यालय कुमारबाग, चनपटिया में क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल बेतिया और विद्यालय परिवार के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री संजय कुमार सिंह ने बताया कि आज विद्यालय में सशस्त्र सीमा बल के द्वारा वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। सशस्त्र सीमा बल के इंस्पेक्टर श्री देवेंद्र यादव ने कहा कि वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है, पर्यावरण की रक्षा तभी संभव है जब पृथ्वी पर ज्यादा से ज्यादा वृक्ष होंगे। इसके लिए क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल बेतिया द्वारा जगह-जगह वृक्षारोपण किया जा रहा है। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रानी कुमारी ने बताया कि प्रकृति में संतुलन बनाये रखने और आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरुरी

है। इसी क्रम में आज विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षक -शिक्षिकाओं ने सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ मिलकर फलदार और छायादार आम, जामुन, अमरूद, महोगनी आदि के लगभग 300 पेड़ लगाएं। विद्यालय के शिक्षक राजकिशोर पांडेय ने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं पौधारोपण करें और घर-परिवार के सदस्यों को भी एक-एक पौधा लगाने को अवश्य प्रेरित करें। साथ ही पौधे को समय-समय पर पानी दें और उसकी रक्षा भी करें, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सकें। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक रवि कुमार, चंद्रशेखर तिवारी, राजन कुमार, मधुरेन्द्र तिवारी, अभिषेक आनंद, शिक्षिका सुनीता कुमारी, आशा वर्मा, सीमा भारती, सुषमा शर्मा, स्वर्णलता भारती,आकांक्षा कुमारी सहित अन्य शामिल हुए।

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

प्रतिबंध मुक्त संघ एक नयी किरण का आगाज

ललित गर्ग

केंद्र की राजग सरकार ने एक महत्वपूर्ण एवं साहसिक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भावना एवं मूल्यों का जीवंत किया है। भले ही इस आदेश को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आ रही है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। निश्चित ही वर्तमान सरकार का यह निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक गैर-राजनीतिक संगठन है, गत 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में संलग्न संघ एक रचनात्मक, सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में संघ के योगदान की विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के नेताओं एवं दलों ने प्रशंसा भी की है। इस नये आदेश को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खलबली एवं बौखलाहट का सामने आना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आदेश से संघ की ताकत बढ़ेगी, जो इन विपक्षी दलों की चिन्ता का बड़ा कारण है। दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी चाहते हुए भी संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। निश्चित ही यह आदेश संघ से जुड़े एवं राष्ट्रीय विचारधारा वाले सरकारी कर्मचारियों के लिये एक नयी किरण है। आपातकाल में इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही खुलकर सामने दिखी थी, लेकिन उससे पहले भी तानाशाही कदम उठाए जाते रहे थे। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद

के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। 30 नवंबर 1966 को संघ-जनसंघ के प्रभाव से हिलकर इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि संघ व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। गोलीबारी में सैंकड़ों निर्दोष साधु-संत मारे गये थे। इस जघन्य हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारी लाल नंदा ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। कांग्रेस पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में संघ पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था, फिर अभी हटाने के पीछे गहरी राजनीतिक चाल है। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था। क्रांति का फलित है व्यापक स्तर पर होने वाला कोई बड़ा परिवर्तन। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है जो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध का हटना। इसको लेकर भी विपक्षी दलों द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों में कर्मचारियों के शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाकर नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है। निःसंदेह, सरकार का यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की भावना को मजबूत करनेवाला है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में शामिल हो सके। एक सामान्य नागरिक की भांति यह अधिकार कर्मचारियों को भी प्राप्त है कि अपने कार्यालयीन समय के बाद सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं। परंतु, लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाली कांग्रेस की सरकार ने तानाशाहीपूर्ण तरीके से संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो एक प्रकार से राष्ट्रीय विचार के प्रति झुकाव रखनेवाले लोगों को हतोत्साहित करने का प्रयास ही था। कांग्रेस की नीयत को समझिए कि उसने ऐसा कोई प्रतिबंध इस्लामिक, ईसाई, कम्युनिस्ट और अन्य प्रकार के संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने पर नहीं लगाया था। यानी कर्मचारी इस्लामिक एवं ईसाई संगठनों से जुड़ सकता था लेकिन हिन्दू संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता था। कांग्रेस की इस तानाशाही एवं द्वेष का उत्तर संघ ने तो कभी नहीं दिया लेकिन समाज ने अवश्य ही कांग्रेस को आईना दिखाने का कार्य किया। कांग्रेस लगातार आठ दशकों में हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें चलती रही है। जबकि हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश दिया कि 'सत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियं' अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। लेकिन राजनीतिक कारणों से कांग्रेस एवं अन्य ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को निस्तेज करने, संघ को दबाने एवं समाप्त करने के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस आदेश के अतिरिक्त तीन बार संघ पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया। संघ की छवि खराब करने के लिए बड़े-बड़े नेताओं की ओर से मिथ्या प्रचार भी किया गया। अपने समर्थक बुद्धिजीवियों से पुस्तकें भी लिखवायी गईं। लेकिन निस्वार्थ भाव से देश और समाज के लिए कार्य करनेवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोई रोक नहीं सका। अपनी 99 वर्ष की यात्रा में संघ ने लगातार प्रगति एवं विस्तार ही किया है। अपने विचार, आचरण एवं सेवाकार्यों से संघ ने समाज का विश्वास जीता, जिसके कारण समाज सदैव संघ के साथ खड़ा रहा। कांग्रेस सरकार का तात्कालिक आदेश भी सरकारी कर्मचारियों को संघ कार्य में सहभागी होने से रोक नहीं सका। कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें संघ गतिविधि में शामिल होने पर कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की। लेकिन वे सभी मामले न्यायालय में टिक नहीं सके। संघ के स्वयंसेवक न्यायालय से जीतकर आए। उनकी छोटी-छोटी जीतों की श्रृंखला ने भी यह साबित किया कि संघ की गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए लगाया गया कांग्रेस सरकार का आदेश निरर्थक और संविधान एवं मौलिक अधिकारों की मूल भावना के विरुद्ध था।

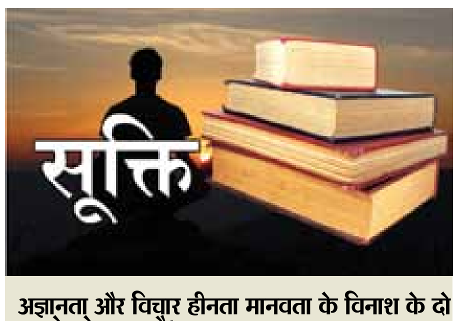

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है।

- जॉन टिलोटसन

जब भी कोई हंसने का अवसर मिले तो, "हंसे" यह एक सुलभ दवा है।

- लार्ड ब्रायन

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि षष्ठी, शुक्रवासरे, उ.मा. नक्षत्रे, अतिगंड योगे, गरकरणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा रा. 2/28 तक सर्वार्थ सिद्ध अमृत सिद्ध योग तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, दार्शनिक तथा उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, सुंदर, सुशील, कोमल हृदय, तार्किक तथा शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, राजनेता, विधायक तथा मंत्री होगा।

मेष राशि- आशानुकूल सफलता का संतोष होगा तथा सफलत के साधन अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि - समय आराम से बीतेगा, व्यवसायिक क्षमता का ध्यान अवश्य रखें, समय का ध्यान रखें।

मिथुन राशि - अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहेगा किन्तु इष्ट मित्रों से परेशानी बनेगी, कार्य पर ध्यान दें।

कर्क राशि - इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, कार्य समय पर निपटा लें।

सिंह राशि - प्रतिष्ठा वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

कन्या राशि - संघर्ष से सफलता, व्यवसायिक क्षमता से संतोष, आशानुकूल लाभ से हर्ष होगा।

तुला राशि - मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि एवं बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा, कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि - सामाजिक कार्य में सुधार, कार्यगति में अनुकूलता बनेगी, इष्ट मित्र सुखवर्धक रहेगा।

धनु राशि - अचानक शुभ समाचार प्राप्ति से कार्यगति में सुधार होगा, चिन्तायें कम होंगी।

मकर राशि - कार्य स्थिति यथावत् रहेगी, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे, कार्य समय पर करें।

कुंभ राशि - इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, शारीरिक कष्ट एवं चिन्ता, असमंजस की स्थिति बनेगी।

मीन राशि - इष्ट मित्र सहायक होगा, दैनिक कार्यगति अनुकूल होगी, समय स्थिति का ध्यान अवश्य रखें।

कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं। जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है। पिछले कुछ वर्षो में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं। देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है। भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं।

आखिर संसद का मौसम गड़बड़ क्यों

राकेश अचल

संसद के बजट सत्र का मौसम खराब हो रहा है। खासतौर पर लोकसभा का मौसम ठीक नहीं दिखाई दे रहा। तृण मूल कांग्रेस ने तो खराब मौसम की चेतावनी देते हुए सत्ता पक्ष से अपनी-अपनी कुर्सियों की पेटी बाँधने के लिए कहा है। हिचकोले खाती संसद में लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष के सर पर छाता ताने खड़े रहना चाहते हैं ,ताकि सरकार विपक्ष के बादलों के बरसने पर ज्यादा भींगे नहीं। लोकसभा में अध्यक्ष पद पर श्री ओम बिरला का ये दूसरा कार्यकाल है। वे संसद को कैसे चला रहे हैं ,इसके बारे में किसी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। ये जानने के लिए सदन की कार्रवाई का सीधा प्रसारण देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है । सदन प्रमुख होने के नाते बिरला जी न तो विपक्ष को संरक्षण दे पा रहे हैं और न सत्ता पक्ष की ही ढंग से चाकरी कर पा रहे हैं। लोकसभा के इतिहास में ओम जी किस रूप में दर्ज किये जायेंगे ,ये कहना कठिन है। लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला में तीखी नोकझोंक से इस बात के संकेत एक बार फिर मिले की ओम बिरला जी सदन चलने में असुविधा का अनुभव कर रहे है। विपक्षी सांसदों के बोलते ही लोकसभा अध्यक्ष को लगता है कि वे सरकार के दुश्मन हैं। तृण मूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने चर्चा के दौरान दावा किया कि सदन में तीन कृषि कानूनों पर चर्चा नहीं की जिन्हें बाद में वापस ले लिया गया था । अभिषेक बनर्जी के दावे पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आपत्ति जताई और कहा कि इस सदन में तीन कृषि कानूनों पर करीब साढ़े पांच घंटे तक चर्चा हुई। बिरला की दावे पर अभिषेक ने जोर देकर कहा कि चर्चा नहीं हुई तो स्पीकर बोले कि जब अध्यक्ष बोलते हैं तो सही ही बोलते हैं और आपको रिकॉर्ड देखना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रति जैसी थी ठीक वैसा ही वे तृण मूल कांग्रेस के अभिषेक के साथ कर रहे हैं। सत्ता के खिलाफ

बोलते ही सत्ता पक्ष की और से लोकसभा अध्यक्ष खुद बचाव की मुद्रा में बोलना शुरू कर देते हैं। वे अक्सर भूल जाते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दी का नहीं बल्कि सभी सांसदों के हितों का संरक्षक होता है। मेरे दिमाग में लोकसभा अध्यक्ष की जो छवि है उसमें पता नहीं क्यों बिरला जी समा नहीं रहे हैं। वे अक्सर संघ की शाखा प्रमुख के हिसाब से बर्ताव करने दिखाई देते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है की उन्होंने संघ की शाखाओं में केंद्रीय कर्मचारियों पर लगे प्रतिबंध की समाप्ति को अपने ऊपर भी लागू कर लिया है। चर्चा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने 2016 में की गई नोटबंदी का जिक्र किया जिस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि माननीय सदस्य आप वर्तमान बजट पर बात करें क्योंकि 2016 के बाद तो काफी समय निकल गया, इसके बाद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कोई पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की बात बोलेगा तो आप कुछ नहीं कहेंगे और मैं 2016 की नोटबंदी की बात कर रहा हूं तो आप कह रहे हैं कि वर्तमान बजट पर बोलिए। अभिषेक बनर्जी बोले कि ये पक्षपात नहीं चलेगा क्योंकि जब कोई इमरजेंसी के मुद्दे को उठाता है तो आप चुप रहते है। किसी भी लोकसभा अध्यक्ष के लिए ये लज्जा की बात है की सदन का कोई भी सदस्य उनके ऊपर पक्षपात का आरोप लगाए। दुर्भाग्य से ओम जी के साथ ऐसा हर दिन हो रहा है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सदन की नेता सुमित्रा महाजन रहीं। उनसे पहले सुश्री मीरा कुमार ने भी सदन को सुचारु रूप से चलाया । यहां तक की वामपंथी सोमनाथ चटर्जी के कार्यकाल में भी लोकसभा अध्यक्ष की मर्यादा पर ज्यादा सवाल नहीं उठाये गए ,क्योंकि किसी ने भी खुद को सत्तापक्ष का स्पीकर बनाने की गलती नहीं की।भाजपा के मनोहर जोशी भी लोकसभा के सम्मानित अध्यक्ष रहे । कांग्रेस के पीए संगमा तो सबसे जायदा विनोदी लोकसभा अध्यक्ष थे, उनके कार्यकाल में कभी भी सदन में तनाव देखा ही नहीं गया । यहां तक कीटीडीपी के जीएमसी बालकृष्ण योगी ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में एक यादगार भूमिका अदा की। मौजूदा लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी इस परम्परा को आगे बढ़ाने में हिचकोले खा रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने संबोधन के दौरान बीजेपी पर निशाना साधते हुए सिर्फ इतना कहा कि गठबंधन का मतलब समन्वय होता है और कोई भी उसे मोदी 3.0 नहीं कह रहा। इस सरकार को खुद बीजेपी के मंत्री भी मोदी 3.0 नहीं कर रहे है। ये सरकार काफी अनिश्चित और नाजुक है और कभी भी गिर सकती है । उन्होंने कहा कि सब्र रखिए और कुर्सी की पेटी भी बांध लीजिए क्योंकि मौसम बिगड़ने वाला है। बनर्जी ने ये बात भी विनोद में कही है और इसे विनोद की तरह ही लेना चाहिए था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आपको याद होगा कि माननीय ओम बिरला जी के खाते में सदन के सर्वाधिक सदस्यों को निलंबित करने का आधिकारिक रिकार्ड है । सदस्यों का निलंबन सबसे आखरी विकल्प होता है । सवाल ये है कि जिस भूमिका में ओम जी पिछली लोकसभा में थे वैसे ही क्या वे इस लोकसभा में रह सकते हैं ? मौजूदा लोकसभा में न सत्ता पक्ष प्रचंड बहुमत वाला है और न ही विपक्ष पहले कि तरह कमजोर और बिखरा हुआ है। इस बार विपक्ष को पहले कि तरह सामूहिक निलंबन की सजा नहीं सुनाई जा सकती। बेहतर तो यही है कि ओम जी हिकमत अमली से काम लें । सरकार के साथ विपक्ष को भी दुलारें ,पुचकारें ,हिकमत अमली से काम लें ताकि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटने पाए। दुर्भाग्य से देश की राजनीति में सौहार्द के स्थान पर अदावत मजबूत होती जा रही है । इसे समाप्त करने या कम करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में पुल का काम कर सकते हैं। लोकतंत्र में अदावत और पक्षपात के लिए सीमित जगह होती है ,इसे प्रोत्साहित करना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा है।

शब्द पहेली - 8200

बाएँ से दाएँ

1. उचित, गलत का विलोम-2
4. अधिकार-2
6. परछाई-2
7. सम्मान, प्रसिद्धि-2
9. उल्टी, कै, वमन-3
12. रंग (अंग्रेजी-3)
14. चंचल, फुर्तीला-3
16. भयभीत होना-4
17. फुर्तीलापन-4
18. बसंत काल-3
20. भ्रम, वहम-3
22. आश्रय, शरण-3
24. राजनीतिक पार्टी-2
26. शारीरिक ऊंचाई-2
27. गन्ना-2
28. शाखा, टहनी-2

ऊपर से नीचे

1. नमस्ते, आदाब-3
2. देह, बदन, तन-2
3. शराब, मदिरा-2
5. डोली उठानेवाले-3
6. पत्नी की छोटी बहन -2
8. वहम, संदेह-2
10. जरुरतमंद-5
11. नाग, सर्प-2
13. आनंदित होना -5
14. भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15. ढीला, सुस्त-3
19. नुकसान, घाटा-2
20. सद्कार्य-3
21. नशा, सरुर, खुमार-2
22. ओहदा -2
23. भवन, कोठी-3
25. क्षण, पल-2
26. कलिका, फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8199 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7138

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7137 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शरीर के हाव-भाव हमारे व्यक्तित्व का आइना होते हैं। हमारे ड्रेस सेंस से लेकर खाने-पीने, उठने-बैठने, चलने से तरीकों से लोग हमारे बारे में काफी कुछ समझ सकते हैं। हमारे शरीर के हाव-भाव हम ऐसे रखें कि हमारा व्यक्तित्व तो निखरे ही साथ हमारी प्रोफेशनल लाइफ में भी इसका फायदा हमें मिले। आइए जानते है साइकोलॉजी एक्सपर्ट्स से व्यक्तित्व विकास के कुछ गुर

कैसी हो आपकी बॉडी लैंग्वेज

यदि आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं या अपने ऑफिस जाएं तो आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करें। आपकी चाल में किसी प्रकार का बनावटीपन नहीं होना चाहिए। इसका यह मतलब कतई नहीं कि आप तनकर चलें। आपकी चाल सामान्य होनी चाहिए। साथ ही आपके चेहरे पर हल्की-सी मोहक मुस्कान होनी चाहिए।

बात करते समय नाखून काटना, पेन का ढक्कन खोलना, बंद करना, बालों पर हाथ फेरना, हाव-भाव बदलना आपके आत्मविश्वास की कमी को दर्शाते हैं। ऐसा शारीरिक हाव-भाव बनाइए, जिससे आपसे मिलने वाले व्यक्ति को खुशी मिल सके। अपने व्यक्तित्व को ऐसा महका कर रखिए जिससे उसकी खुशबू से सामने वाला आपके पास खींचा चला आए।

कुछ कहती हैं आंखें

कहते हैं आंखों के रास्ते किसी के भी दिल में उतरा जा सकता है। प्रोफेशनल फील्ड में आंखों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि अपने से उच्च अधिकारी से बात कर रहे हों तो आंखें से आखें मिलाकर बात करें।

इसका अर्थ यह नहीं कि घूरें या एकटक लगाए देखें, पलक झपका कर आंखों से आंखों का संपर्क बनाएं रखें। बात करते समय इधर-उधर न देखें न ही मोबाइल या अन्य चीजों से खेलें। अक्सर आपने देखा होगा लोग बातें करते समय अन्य चीजों को देखते हैं। ऐसा कतई न करें। ऐसा करना आपमें आत्मविश्वास की कमी को दर्शाता है।

न अपनाएं इशारों की भाषा

अक्सर देखा जाता है कि लोग शब्दों से कम और इशारों से ज्यादा बोलते हैं। बातचीत के दौरान हाथ हिलाकर अपनी बात समझाना, किसी बात पर बुरा लगने पर मुंह बिचकाना, आंखों से इशारा कर किसी को बुलाना आदि ऐसी आदतें हैं जो बुरी आदतें हैं और व्यक्तित्व में आपकी कमी को दर्शाती हैं। अपनी आवाज में उतार-चढ़ाव पर ध्यान दें। बिना रुके तेज बोलते चले जाना आप में मौजूद उतावलेपन को दर्शाता है। इससे सामने वाले व्यक्ति पर आपका प्रभाव भी कम होगा। जब भी बात करें, दिल और दिमाग को साथ में रखकर करें। आपकी बातें ऊर्जा से भरपूर हो, इसका यह अर्थ नहीं कि जोर चिल्लाकर बोलें, शांतिपूर्वक और शब्दों के स्पष्ट उच्चारण के साथ बात करें। हाथ बांधकर या जेब में हाथ डालकर बात करने वाले को कॉर्पोरेट सेक्टर में रिजर्व व्यक्ति कहा जाता है। अगर दुनिया को जीतना है तो दोनों हाथ खोलकर बात करें।

कैसा हो पहनावा

आपकी शरीर की बनावट के अनुसार उचित वेशभूषा आपकी पर्सनालिटी को परफेक्ट बनाती है। आपका ड्रेसिंग सेंस ही आपका फर्स्ट इंम्प्रेशन होता है। कपड़े खुद की पसंद के पहनें और इस आत्मविश्वास के साथ पहनें कि आप उसमें अच्छे लग रहे हैं। यह भी आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। परिस्थिति और जगह के अनुसार कपड़े पहने। यदि आप किसी कॉर्पोरेट पार्टी में जा रहे हैं तो ट्राउजर्स आपके लिए सही चुनाव होगा। डीजे पार्टी में जींस आप पहन सकते हैं। जो भी पहने, व्यवस्थित पहनें। पहनावा ऐसा हो कि आपके आत्मविश्वास से भरे एटीट्यूट को दर्शाएं।

बनाकर रखें दूरी

किसी से बात करते समय इतनी दूरी बनाकर रखें कि सामने वाला आपसे घबराए नहीं अक्सर देखा जाता है कि लोग बात करते समय कंधे पर हाथ रख देते हैं या फिर छूकर बात करते हैं। यह अशोभनीय व्यवहार कहलाता है। आपने अक्सर देखा होगा जब दो देशों के डेलीगेट्स मिलते हैं तो एक ही सोफे के दो कोनों पर बैठते हैं। यह कंधों से कंधों की दूरी बताती है कि दो व्यक्ति आपस में भावनात्मक तरीके से जुड़े हैं। बातचीत के दौरान छूकर बात करने से बचें।

ये कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें ध्यान में रख अपना व्यक्तित्व ऐसा बनाएं कि हर कोई आपसे मिलने के बाद कहे- व्हॉट ए पर्सनालिटी।

लाइफ में मैनेजमेंट जरूरी है

कैरियर में कामयाब होना और जीवन में कामयाब होना दो बिल्कुल अलग-अलग बाते हैं। आप ऐसे कई लोगों को जानते होंगे, जो अच्छी खासी आमदनी के बावजूद पैसों के लिए परेशान रहते हैं- वजह होती है मनी मैनेज करने का सही ढंग न होना।

जीवन में सफलता के लिए गुड लाइफ मैनेजर होना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कामयाब एक्जीक्यूटिव होना। सवाल है लाइफ को कैसे कामयाबी के साथ मैनेज करें? पेश हैं इस संबंध में पांच खास टिप्स।

अंग्रेजी की कहावत है नो रिस्क नो गेन। जी हां, भविष्य के लिए जब निवेश की बात आए तो थोड़ा साहसी होना जरूरी है, लेकिन साहसी होने का मतलब दु:साहसी होना कतई नहीं है। कहने का मतलब यह कि निवेश करते समय उम्र का भी ध्यान रखें।

यदि आप युवा हैं तो संभव है घाटा उठाने के बाद दोबारा नई शुरुआत कर सकें, लेकिन यदि आप 40 की बाउंड्री पार कर चुके हैं, तो समझिए घाटा उठाकर उबरना थोड़ा मुश्किल है। इसलिए किसी भी तरह के इन्वेस्टमेंट से पहले उसके बारे में रिसर्च कर लें, लाभ कितना होगा, यदि घाटे में रहेंगे तो कितना घाटा होगा।

ऐसा नहीं है कि 40 की उम्र के बाद झटका खाने वाले हमेशा हथियार ही डाल देते हों, लेकिन औसतन इस उम्र के बाद क्षमता और हौसले दोनों में गिरावट आती है तो लॉ ऑफ एवरेज के हिसाब से यह उम्र रिस्क लेने की नहीं है।

कहते हैं अगर सही आदमी सही जगह हो, तो सफलता खुद चलकर उस तक आती है। जी हां, देखा गया है कि जब कोई व्यक्ति वह काम करता है जो उसकी हॉबी होती है तो वह बेहद कामयाब होता है फिर चाहे उसका बैकग्राउंड कुछ भी हो। अमिताभ बच्चन की हॉबी थी अभिनय और सचिन तेंडुलकर की हॉबी थी क्रिकेट आगे की कहानी हम सभी जानते हैं।

क्या आपको नहीं है अपनी नौकरी से प्यार?

हर किसी को अपनी मनपंसद नौकरी नहीं मिलती है। अगर मनपसंद जॉब नहीं भी मिली है तो घबराइए नहीं, उसे अपने अनुकूल बनाने के प्रयास कीजिए।

हो सकता है शुरुआत में आपको थोड़ी परेशानी आए लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियों में सुधार आने लगता है और आप उन परिस्थितियों के अनुकूल होने लगते हैं।

इन बातों का ध्यान रख आप नौकरी में बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं-

- किसी भी नौकरी में यदि आपको टेंशन है तो उससे भागे नहीं, बल्कि परिस्थितियों का सामना करें।
- अपने जॉब के लिए खुद को बेहतर बनाने की तैयारी करें।
- मल्टीस्किल बनें लेकिन किसी भी व्यक्ति का सॉफ्ट टारगेट न बनें।
- जो जॉब प्रोफाइल आपके लिए नहीं बनी उसमें जाने का निर्णय न लें।
- हर बार आपको आपके मुताबिक जॉब प्रोफाइल नहीं मिल सकती।
- मल्टीस्किल होने से आप टीम में रहकर भी पहचान पा सकते हैं।
- किसी भी समस्या में सीधे अपने बड़े अधिकारी या बॉस से बातचीत करें।
- अपने सीनियर्स से अपना कम्युनिकेशन बेहतर रखें।

याद रखिए एक नौकरी के साथ आप आर्थिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। अपने कार्यस्थल पर जब जाएं तो घर की समस्याओं को दिमाग में रखकर कार्य न करें। कार्य में अपना सौ प्रतिशत देकर कार्य करें।

इंटरव्यू में ये टिप्स अपनाएं, सफलता पाएं

इंटरव्यू के लिए अक्सर यंगस्टर्स कपड़ों से लेकर बायोडाटा तक की तैयारी का ध्यान रखते हैं। अगर इंटरव्यू पहली बार हो तो तैयारी बहुत मायने रखती है। कुछ ऐसे टिप्स हैं जिन पर अगर आपने अमल किया तो आपका इंटरव्यू आपको सफलता दिलवा सकता है।

कंपनी के बारे में रिसर्च

जिस कंपनी में आप नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जा रहे है उसके बारे में जितनी भी जानकारी जुटा सकें जुटा लें। कंपनी के उत्पाद या सेवा के बारे में, कंपनी की ग्रोथ के बारे में। कंपनी की वेबसाइट से जरूरी जानकारी लें।

जवाबों की तैयारी

इंटरव्यू के दौरान कुछ सवाल ऐसे होते हैं जिनके पूछे जाने की संभावना अधिक रहती है। जैसे आपने पहले कहां नौकरी की थी या आपके पास कितना व कैसा एक्सपीरिएंस है या अपने बारे में कुछ बताएं आदि। इन प्रश्नों के अलावा कुछ टेक्निकल सवाल भी हो सकते हैं जिनका संबंध आपकी पढ़ाई से हो सकता है। इन सवालों के जवाब पहले से तैयार कर लें और हो सके तो एक बार इसकी तैयारी भी कर लें। याद रखें इंटरव्यू में बिना तैयारी के बिल्कुल न जाएं।

चेक लिस्ट बनाएं

इंटरव्यू के दौरान लगने वाले कागजात, सर्टिफिकेट आदि की चेक लिस्ट बनाकर रखें। कई बार इंटरव्यू में प्रेजेंटेशन भी देना पड़ता है। ऐसे में इस प्रेजेंटेशन के लिए पहले से इसे सीडी व पेन ड्राइव में जरूर रख लें।

समय से पहले ही पहुंचे

इंटरव्यू के स्थान पर वक्त से पहले पहुंचें। हो सके तो आधा घंटा वहां बिताएं ताकि आप उस माहौल में अपने आपको सही तरीके से ढाल सकें और इंटरव्यू के दौरान आप नर्वस न हो।

पॉजीटिव रहें

मन में ऐसा कोई डाउट बिलकुल भी न रखें कि आप इंटरव्यू अच्छा नहीं दे पाएंगे। पॉजिटिव एप्रोच बनाए रखें।

कपड़ों का सिलेक्शन

ज्यादातर इंटरव्यू के दौरान फॉर्मल कपड़े ही पसंद किए जाते हैं। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आपका पहनावा सबकुछ नहीं, पर बहुत कुछ है। इस कारण आपकी पर्सनलिटी को सूट करे, ऐसे ही फॉर्मल कपड़े सिलेक्ट करें।

खुशमिजाजी

आपका खुशमिजाज होना इंटरव्यू के दौरान के माहौल को काफी खुशनुमा बना देगा। इसके अलावा आपकी मधुर मुस्कान, हाथ मिलाने का तरीका, आंखें भी आपकी पर्सनालिटी का हिस्सा है और अगर इसका इस्तेमाल आपने सही तरीके से कर दिया तब आपका इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ सकता है।

बीच में न टोकें

अक्सर यह देखने में आता है कि इंटरव्यू पेनल के मेम्बर्स एक से ज्यादा होते हैं। मेम्?बर्स एक के बाद एक प्रश्न पूछते हैं। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आप सभी सदस्यों से मुखातिब होते हुए सवालों का जवाब दें और कभी भी इंटरव्यू लेने वाले को बीच में न टोकें।

शिकायत न करें

इंटरव्यू में इस बात का ध्यान जरूर रखें कि अगर आप कोई नौकरी छोड़कर आए हैं, तो उस ऑर्गनाइजेशन की बुराई बिलकुल भी न करें।

सितंबर में ग्रेटर नोएडा में होगा न्यूज़ीलैंड-अफगानिस्तान टेस्ट

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम सितंबर में ग्रेटर नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेलेगी। न्यूजीलैंड की टीम इस मैच के लिए पहली बार ग्रेटर नोएडा पहुंचेगी जबकि अफगानिस्तान की टीम 4 साल बाद यहां आ रही है। अफगानिस्तान की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा में ये मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच 9 से 13 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पाथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में एक टेस्ट मैच होगा। इस स्टेडियम में पहले भी अफगानिस्तान की टीम ने खेला है। अफगानिस्तान ने आखिरी बार 2020 में ग्रेटर नोएडा में मैच खेला था। अफगान टीम को भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने देश में में अपने मुकाबले खेलने की सुविधा दी है क्योंकि अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कोई स्टेडियम नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआइ से अनुमति मिलने के बाद से प्रबंधन ने इस मैच की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पिच को भी ठीक किया जा रहा है। ये मैच 9 सितंबर से होगा। इस मैच के लिए अभी दोनो में से किसी भी टीम की घोषणा नहीं हुई है। इस मैच के लिए अंदाजा लगाया जा रहा है कि कीवी टीम युवा खिलाड़ियों को उतार सकती है।

बिंद्रा को मिला ओलिंपिक ऑर्डर

नई दिल्ली। भारत के पहले ओलंपिक स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने ओलिंपिक को आगे बढ़ाने (ओलिंपिक मूवमेंट) में बिंद्रा के विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें ओलिंपिक ऑर्डर दिया है। इस अहम उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिंद्रा की प्रशंसा की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बिंद्रा को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा, अभिनव को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्हें बधाई। चाहे एथलीट के रूप में हो या आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक संरक्षक के रूप में उन्होंने खेलों व ओलिंपिक मूवमेंट में उल्लेखनीय योगदान दिया है। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ओलिंपिक आर्डर पुरस्कार से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई। अनुकरणीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी, अभिनव बिंद्रा अपने ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन से एथलीटों को प्रेरित करते रहते हैं। मेरी सारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। बिंद्रा ने बीजिंग ओलिंपिक में पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। ओलिंपिक ऑर्डर पुरस्कार किसी व्यक्ति को दिया जाने वाला सर्वोच्च ओलिंपिक सम्मान है। बिंद्रा ये सम्मान हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। ओलिंपिक ऑर्डर सम्मान की स्थापना 1975 में हुई थी। शुरुआत में यह पुरस्कार गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज कैटेगरी में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता था। 1984 में समीक्षा के बाद आईओसी ने सिल्वर और ब्रॉन्ज की कैटेगरी को समाप्त कर दिया। इसके बाद यह तय किया कि अब यह पुरस्कार सिर्फ गोल्ड कैटेगरी में ओलिंपिक खेलों में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को ही दिया जाएगा। आईओसी ओलिंपिक की मेजबानी करने वाले राष्ट्र प्रमुखों को भी यह पुरस्कार देता रहा है। परंपरागत रूप से आईओसी प्रत्येक ओलिंपिक गेम्स के समापन समारोह में यह सम्मान वितरित किया जाता रहा है , इसबार ये 10 अगस्त को दिया जाएगा।

भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में पहुंची

पेरिस। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक की तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। भारतीय तीरंदाजों दीपिका कुमारी समेत भजन कौर और अंकिता भकत ने महिला व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारत को क्वॉर्टर फाइनल में पहुंचाया। दीपिका , अंकिता और भजन ने कुल मिलाकर भारत को 1,983 अंक दिलाए हैं। दीपिका , भजन और अंकिता ने महिला व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में भाग लेते हुए अपने प्रदर्शन से भारत को क्वॉर्टर फाइनल का टिकट दिलाया। वहीं टीम रैंकिंग के हिसाब से भारतीय टीम इस राउंड के बाद चौथे स्थान पर रही। इस दौरान भारत के 1983 अंक रहे, जबकि कोरिया 2046 अंकों के साथ ही शीर्ष पर रहा। वहीं चीन 1996 और मैक्सिको 1986 की टीम को दूसरा और तीसरा स्थान मिला। वहीं यक्तिगत स्कोर की बात करें तो भारत की ओर से अंकिता पहले स्थान पर रही। अंकिता ने 72 शॉट लगाते हुए कुल 666 अंक हासिल किए हैं और वे 11वें स्थान पर रहीं जबकि भजन और दीपिक टॉप-20 से बाहर रहकर 22 वें और 23 वें स्थान पर रहीं।

नीता अंबानी लगातार दूसरी बार आईओसी सदस्य बनीं

पेरिस। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सदस्य बनी हैं। नीता को पेरिस में सर्वसम्मति से दूसरी बार भारत से आईओसी का सदस्य चुना गया। आईओसी के 142वें सत्र के दौरान हुए मतदान में नीता को पूरे सौ फीसदी मत मिले। नीता के आईओसी में शामिल होने से अब भारतीय खेल संघों को भी वैश्विक स्तर पर सहयोग और समर्थन मिलने लगेगा। वहीं नीता ने दोबार आईओसी सदस्य चुने जाने के बाद कहा, ''मैं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर भरोसे जताने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा , ''फिर से सदस्य चुना जाना ना केवल एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करती हूं और भारत तथा दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के हमारे प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। गौरतलब है कि नीता को पहली बार 2016 में रियो डि जिनेरियो ओलंपिक खेलों के दौरान इस प्रतिष्ठित संस्था में शामिल किया गया था।

विराट ओर गंभीर बेहद उर्जावान : नेहरा

ड्रेसिंग रूम साझा करते ही बनेगा समन्वय

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि बल्लेबाज विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर काफी उर्जावान हैं और इन दोनो में किसी प्रकार के मतभेद नजर नहीं आते। जैसी की धारणा बनायी जा रही है। नेहरा ने कहा कि ये दोनो ही बेहद अनुभवी हैं और जैसे ही ये ड्रेसिंग रूम साझा करना शुरू कर देंगे, इनमें समन्वय बनने लगेगा। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम का कोच पद संभालने जा रहे हैं। वहीं कोहली एकदिवसीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहेंगे। पिछली बार आईपीएल के दौरान दोनों के बीच मैदान पर बहस हुई पर इस बार के सत्र में दोनो उत्साह के साथ मिले थे। इससे साफ है कि दोनो में अब कोई मतभेद नहीं हैं। नेहरा ने कहा, विराट और गंभीर दो बहुत ही उत्साह से भरे लोग हैं। जब भी वे किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो वे विपक्षी टीम के खिलाफ पूरी ताकत लगा देते पर जब वे ड्रेसिंग रूम में साथ होते हैं, तो वे टीम के लिए एकजुट होते हैं। विराट के पास करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। वहीं गंभीर भी बेहद अनुभवी हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बीच पहले भी मैदान पर झगड़े हुए हैं पर जब वे किसी टीम के लिए साथ खेलते हैं, तो वे एक खिलाड़ी, कोच-कप्तान, कोच और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। नेहरा ने यह भी कहा कि गंभीर हमेशा स्पष्ट और पारदर्शी रहते हैं और हमेशा अपनी बात सामने रखते हैं , ये काफी अच्छी बात है। जहां तक कोचिंग का सवाल है हर किसी की अपनी शैली होती है, कोच, कप्तान और खिलाड़ी के साथ काम करने की। मुझे इन दोनों के साथ कोई समस्या नहीं दिखती।

व्यापार

इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को बढ़ाने रोडमैप तैयार:गुप्ता

हीरो मोटोकॉर्प खेलने जा रही बड़ा दांव

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ निरंजन गुप्ता ने कहा कि कंपनी के पास अपने इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार को तेजी से बढ़ाने के लिए रोडमैप तैयार है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन सेगमेंट की लीडरशिप की ओर देखते हुए, हीरो मोटोकॉर्प वित्त वर्ष 2025 में किफायती मॉडल पेश करने की योजना बना रही है, जो कंपनी के पास मौजूद वीडा वी1 प्रो के पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाएगा। कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि कंपनी इस वित्तीय वर्ष में मध्यम और किफायती सेगमेंट में उत्पाद लॉन्च करेगी। लान्च होने वाले नए प्रोडक्ट्स का मुकाबला टीवीएस और ओले के किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटरों से होगा। हीरो मोटोकॉर्प की वीडा इलेक्ट्रिक स्कूटर रेंज की कीमत 1-1.5 लाख रुपये के बीच है, जो सब्सिडी मिलने के बाद की कीमत है। कंपनी ने एथर एनर्जी के साथ मिलकर वीडा ईवी के लिए भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। इसके अलावा जीरो मोटरसाइकिल के साथ साझेदारी के तहत कंपनी विदेशी बाजारों तक अपनी पहुंच बढ़ाएगी। हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल ने कहा, "मैं भारत में अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक के रूप में वीडा वी1 के उदय को देखकर विशेष रूप से प्रसन्न हूं, और मुझे वैश्विक बाजारों में इसके भविष्य के लॉन्च की उम्मीद है, जहां यह एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने के लिए तैयार है।" हीरो मोटोकॉर्प ने पहले ही अपने ईवी स्कूटर वीडा की उपस्थिति को तीन से बढ़ाकर 100 से अधिक शहरों तक कर दिया है। गुप्ता ने शेयरधारकों को बताया, "हमारे सीआईटी जयपुर और टेक सेंटर जर्मनी में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में सभी क्षेत्रों में एक विजयी पोर्टफोलियो बनाने के लिए इनोवेशन चल रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक प्रीमियम उत्पादों को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय, सहायक उपकरण और व्यापारिक व्यवसायों को बढ़ाने की भी योजना बना रही है। बता दें कि देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अपनी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर रेंज की शुरुआत की ओर बढ़ रही है।

सोने का भाव गिरकर 67,900, चांदी 81,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 67,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में नरमी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 937 रुपये की गिरावट के साथ 68,015 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 1,058 रुपये की गिरावट के साथ 67,894 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 393 रुपये की गिरावट के साथ 84,501 रुपये पर खुला। इस समय यह 3,390 रुपये की गिरावट के साथ 81,504 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,398.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,415.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 44.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,371.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.07 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.31 था। इस समय यह 1.24 डॉलर की गिरावट के साथ 28.07 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

निजी क्षेत्र को रोजगार के लिए सरकार के साथ काम करना चाहिए: आनंद महिंद्रा

नई दिल्ली। महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि भारत के निजी क्षेत्र को रोजगार सृजन तथा युवाओं को रोजगार योग्य बनाने की दिशा में सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास के अभाव में देश का जनसांख्यिकीय लाभांश, जनसांख्यिकीय आपदा में बदल सकता है। वित्त वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार रोजगार सृजन के साथ-साथ वृद्धि के महत्व को पहचानती है। आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जीडीपी में हमारी वृद्धि के मामले में हम दुनिया के लिए ईर्ष्या का विषय हैं। हमारे भविष्य को लेकर आश्वस्त होने के कारण हम निवेश के लिए दुनिया का पसंदीदा गंतव्य हैं। हमारे लिए महत्वपूर्ण कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इस वृद्धि के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी तेजी आए। महिंद्रा ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित योजनाएं आशाजनक हैं। निजी क्षेत्र से भी अपनी भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए महिन्द्रा ने कहा कि उसे आगे आकर रोजगार तथा रोजगार योग्यता दोनों में निवेश करके अपनी भूमिका निभानी होगी।

रुपया सर्वकालिक निम्न स्तर 83.72 डॉलर पर

मुंबई। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बीच रुपया गुरुवार को कमजोर रुख के साथ खुला और 83.72 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू मुद्रा में गिरावट भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट के बाद आई है। सरकार के पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने के फैसले के बाद से घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वह एक पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.72 प्रति डॉलर पर खुला था। रुपया बुधवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.21 पर रहा।

जिम्नी और फ्रोंक्स खरीदने पर होगी भारी बचत

नई दिल्ली। जुलाई महीने आप जिम्नी और फ्रोंक्स खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो इंतजार मत कीजिए। आप चालू महीने में दोनो वाहन खरीदकर भारी बचत कर सकते हैं।मारुति इस महीने नेक्सा डीलरशिप पर अवेलेबल मॉडल्स पर डिस्काउंट दे रही है। सुजुकी जिम्नी पर 2.5 लाख रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा था। अब इसे 80,000 रुपये से बढ़कर 3.3 लाख रुपए कर दिया है। टॉप-एंड अल्फा ट्रिम पर 1.8 लाख रुपये का कैश डिस्काउंट और मारुति सुजुकी स्मार्ट फाइनेंस (एमएसएसएफ) चुनने वाले खरीदारों के लिए अतिरिक्त 1.5 लाख रुपये की छूट दी जा रही है।डिस्काउंट में 32,500 रुपये का कैश डिस्काउंट और 10,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस दिया जा रहा है। वेलोसिटी एडिशन किट की कीमत अब 43,000 रुपये है। पेट्रोल मैनुअल और ऑटोमैटिक वेरिएंट क्रमशः 32,500 रुपये और 35,000 रुपये तक के लाभ दिया जा रहा है, वहीं सीएनजी मॉडल पर 10,000 रुपये की छूट मिल रही है। जिम्नी ज़ेटा को अब एमएसएसएफ प्लान के साथ 2.75 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। फ्रोंक्स के टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट पर 85,500 रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है।

सूर्या के बर्थडे पर फैंस को बड़ा तोहफा

कंगुवा से पहला गाना फायर रिलीज

सूर्या साउथ के सुपरस्टार कहे जाते हैं. उनकी फिल्में रिलीज होते ही थिएटर्स में छा जाती हैं. अभिनेता की फिल्म कंगुआ बहुत जल्द रिलीज होने वाली है, लेकिन इसके पहले मेकर्स फैंस में बज बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं. अब कंगुआ के मेकर्स ने फैंस को सरप्राइज देते हुए सूर्या के जन्मदिन के खास अवसर पर इस फिल्म का पहला थीम सॉन्ग फायर रिलीज कर दिया है. गाने के रिलीज होने से इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है. सूर्या के फैंस के लिए आज का दिन बेहद खास है. आज अभिनेता अपना 48वां जन्मदिन धूमधाम से मना रहे हैं. कंगुआ के इस गाने में सूर्या काफी खतरनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं. सूर्या का यह अवतार पहले कभी नहीं देखा गया है. इस धमाकेदार गाने में सूर्या का दिलचस्प अंदाज धमाल मचाने के लिए काफी है. गाने में अभिनेता प्राचीन काल के एक योद्धा की ड्रेस में नजर आ रहे हैं. जन्मदिन के खास अवसर पर यह गाना सूर्या के इंटेंस रोल के लिए एक बेहतरीन ट्रिब्यूट है. इस गाने के पॉवरफुल बीड्स और इंप्रेस करने वाले विजुअल्स फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं. स्टूडियो ग्रीन द्वारा प्रोड्यूस कंगुवा इस साल के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है. 350 करोड़ से ज्यादा के बजट के साथ यह पुष्पा और सिंघम जैसी कई हाई-प्रोफाइल फिल्मों से आगे निकल गई है. प्रीहिस्टोरिक एरा का फील कैप्चर करने के लिए इस फिल्म को सात देशों और भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में शूट किया गया है. हॉलीवुड के एक्शन और सिनेमेटोग्राफी एक्सपर्ट्स ने फिल्म को ग्रैंड बनाया है, जिससे यह बात तय हो जाती है कि कंगुवा इंडियन सिनेमा का सबसे शानदार विजुअल्स देने वाली फिल्म होने वाली है. इस फिल्म की सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली चीजों में से एक चीज है, वह है इसका सबसे बड़ा वॉर सीन.

बॉडी हगिंग ड्रेस पहन राशि खन्ना ने कैमरे में जमकर दिए पोज

हॉटनेस ऐसी की दिल हार गए फैंस

साउथ की हसीना राशि खन्ना हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनकी बोल्डनेस देखकर फैंस अपना दिल हार गए हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना हमेशा अपनी बोल्ड ड्रेसिंग सेंस के चलते फैंस के बीच सुर्खियों में रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनके लुक्स की अक्सर तारीफ होती हैं। हालांकि फैंस भी उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस राशि खन्ना ने फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की बॉडी हगिंग ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें वो ग्लैमरस अंदाज में एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। राशि खन्ना अपने इस फोटोशूट के दौरान परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही उनके लुक्स को देखकर फैंस एक बार फिर अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस राशि खन्ना जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। राशि खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

अश्विन बाबू की फिल्म शिवम भजे की रिलीज डेट हुई अनाउंस

1 अगस्त को सिनेमाघरों देगी दस्तक

एक्शन से भरपूर गर्मी के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि अश्विन बाबू की आने वाली फिल्म शिवम भजे 1 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली है। हाल ही में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित हिडिम्बा में अभिनय करने वाले अभिनेता इस एक्शन ड्रामा में पहले कभी न देखे गए अवतार से दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के प्रोमो में अश्विन के गहन परिवर्तन की झलकियाँ पहले ही दिखाई जा चुकी हैं, जिससे प्रशंसक और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं। उनके साथ, फिल्म में प्रमुख महिला के रूप में दिगंगना सूर्यवंशी हैं, जिसमें लोकप्रिय कॉमेडियन हाइपर आदी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस फ़िल्म में बॉलीवुड स्टार अरबाज खान मुख्य खलनायक की भूमिका में नज़र आएंगे, जो तेलुगु सिनेमा में उनकी पहली फ़िल्म होगी। शिवम भजे गंगा एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित है और इसका निर्देशन विकास बडीसा ने किया है। फ़िल्म में तकनीकी विशेषज्ञता है और सिनेमैटोग्राफी का काम छोटा के प्रसाद ने किया है। निर्माताओं ने आने वाले दिनों में फ़िल्म के बारे में और जानकारी देने का वादा किया है, जिससे प्रशंसक फ़िल्म देखने के लिए बेताब रहेंगे।

राघव जुयाल, धैर्य कारवा की ग्यारह ग्यारह की रिलीज डेट से उठा पर्दा, जी5 पर होगी स्ट्रीम

करण जौहर आने वाले दिनों एक से बढ़कर एक फिल्में दर्शकों के बीच पेश करने वाले हैं। उनकी एक वेब सीरीज भी काफी समय से लोगों के बीच चर्चा में है, जिसका नाम है ग्यारह ग्यारह।इस सीरीज में राघव जुयाल और धैर्य कारवा मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। ऐलान के बाद से ही दर्शक इसे लेकर उत्साहित थे और अब इस सीरीज की रिलीज तारीख सामने आ गई है।आइए जानते कब और कहां रिलीज होगी ग्यारह ग्यारह। सीरीज से राघव और धैर्य की पहली झलक भी सामने आ गई है। करण के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर पोस्टर के साथ रिलीज तारीख का ऐलान करते हुए लिखा, क्या होता है जब 2 दुनिया ग्यारह ग्यारह में जुड़ती हैं? जी5 पर 9 अगस्त को खुलेगा रहस्य।करण जानी-मानी निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर यह सीरीज बना रहे हैं।कृतिक कामरा भी इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रही हैं। उमेश बिष्ट ग्यारह ग्यारह के निर्देशक हैं। उमेश ने कहा, मेरे लिए यह बिल्कुल असाधारण यात्रा रही है। मैं करण जौहर और गुनीत मोंगा जैसी हस्तियों के साथ काम करके बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे शो के जरिए दर्शकों को एक रोमांचक कहानी का स्वाद मिलेगा, जो समय को आपस में जोड़ती है। इसमें सस्पेंस, ड्रामा, रोमांच समेत वो सब कुछ है, जो एक एंटरटेनर फिल्म में होता है। मैं जी5 पर सीरीज के प्रीमियर को लेकर उत्साहित हूं। इसकी रोमांचक कहानी दिमाग घुमा देगी। करण ने इस पर बात करते हुए कहा, ग्यारह ग्यारह एक आम पुलिस सीरीज से कहीं ज्यादा है। इसमें रहस्य और सिद्धांतों की अपनी खासियत है। गुनीत के साथ साझेदारी में मैं दर्शकों को उमेश के इस खूबसरुत सफर पर ले जाने के लिए उत्साहित हूं, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेगा।राघव इस सीरीज के जरिए दूसरी बार करण के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों फिल्म किल के लिए साथ आए थे। करण के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले कई फिल्में बन रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म बैड न्यूज, रिलीज हुई है, जिसने पहले दिन शानदार कमाई की है।एक तरफ जहां आलिया भट्ट के साथ करण की फिल्म जिगरा आने वाली है, वहीं अक्षय कुमार के साथ शंकरा कतार में है।तृप्ति डिमरी को लेकर करण धड़क 2 बना रहे हैं। उनकी सरजमीं, नादानियां, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और द बुल जैसी फिल्में भी आ रही हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी कर रही तेलुगु डेब्यू

दिव्या खोसला स्टारर हीरो हीरोइन में आएंगी नजर

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी आज टीवी और म्यूजिक इंडस्ट्री का बड़ा नाम बन चुकी हैं। वह अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन दिनों वह दिव्या खोसला स्टारर तेलुगु फिल्म हीरो हीरोइन को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। वह इस फिल्म में अहम रोल निभाने वाली हैं। प्रियंका ने कहा, मैं हीरो हीरोइन का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। फिल्ममेकर प्रेरणा अरोड़ा के साथ काम करना वाकई शानदार है। यह फिल्म सुनहरा अवसर है, और मैं ऐसे टैलेंटेड कलाकारों और क्रू के साथ अपने किरदार को निभाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उन्होंने कहा, फिल्म की कहानी दिल को छू लेने वाली है, और मैं दर्शकों के लिए कुछ खास लाने के लिए शुरू होने वाले सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। इस फिल्म के जरिए प्रियंका तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित, हीरो हीरोइन में परेश रावल और सोनी राजदान भी हैं। इसकी शूटिंग जुलाई में हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शुरू होने वाली है। प्रियंका अपने वेब शो दस जून की रात की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, इसमें उनके साथ तुषार कपूर भी हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही होने वाला है। जयपुर में जन्मी प्रियंका ने 2018 में फिल्म लतीफ टू लादेन में चांदनी की भूमिका निभाई। इसके बाद 2019 में गठबंधन के साथ छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। वह क्राइम थ्रिलर फिल्म कैंडी ट्विस्ट में भी नजर आईं। उन्होंने उड़ारियां में अपने परफॉर्मेंस से स्टारडम हासिल किया। इसमें उन्होंने तेजो सिंह विर्क की भूमिका निभाई। पॉपुलैरिटी के चलते उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस 16 का ऑफर मिला। इस शो में प्रियंका को बहुत ही स्ट्रांग कंटेस्टेंट माना जाता था।

सरफिरा हुई फ्लॉप, इंडियन 2 का भी निकला दम, अक्षय-कमल की फिल्मों के 11वें दिन का कलेक्शन शॉकिंग

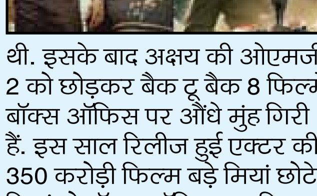

अक्षय कुमार स्टारर 'सरफिरा और कमल हासन की 'इंडियन 2 का बॉक्स ऑफिस पर क्लैश हुआ था. दोनों ही फिल्मो को रिलीज हुए 11 दिन हो चुके हैं और इनकी हालत बेहद बुरी है. खासतौर पर सुधीर कोंगरा की डायरेक्शनल 'सरफिरा ने रिलीज से पहले तो काफी दम दिखाया लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद ये फुस्की बम साबित हुई. हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में तेजी भी आई लेकिन फिर ये बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई. वहीं कमल हासन की 'इंडियन 2 की शुरुआत तो जबरदस्त रही लेकिन फिर दूसरे दिन से ही फिल्म की रफ्तार कम होती चली गई. अब दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर घिसट घिसट कर आगे बढ़ रही हैं. चलिए यहां जानते हैं 'सरफिरा और 'इंडियन 2 ने रिलीज के 11वें दिन कितना कारोबार किया है? पिछले तीन सालों से बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार के करियर की गाड़ी पटरी से उतरी हुई है. एक्टर की आखिरी हिट फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई सूर्यवंशी थी. इसके बाद अक्षय की ओएमजी 2 को छोड़कर बैक टू बैक 8 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी हैं. इस साल रिलीज हुई एक्टर की 350 करोड़ी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां तो बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई. वहीं हाल ही में अक्षय की 'सरफिरा रिलीज हुई थी. इस फिल्म में एक्टर के काम की खूब तारीफ हो रही है लेकिन बॉक्स ऑफिस इसकी बैंड बजी हुई है और इसी के साथ ये फिल्म भी फ्लॉप साबित हो चुकी है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'सरफिरा ने 2.5 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म के पहले हफ्ते की कमाई 18.75 करोड़ रही. वहीं अब ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और जहां सेकंड फ्राइडे फिल्म ने 40 लाख कमाए तो दूसरे शनिवार फिल्म ने 85 लाख और दूसरे संडे को 1.2 करोड़ की कमाई की. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 11वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'सरफिरा ने रिलीज के 11वें दिन महज 25 लाख रुपये कमाए हैं. इसके बाद 'सरफिरा की 11 दिनों की कुल कमाई अब 21.45 करोड़ रुपये हो गई है. कमल हासन स्टारर 'इंडियन 2 एक्टर की 1996 की रिलीज 'इंडियन की सीक्वल है. 'इंडियन 2 का रिलीज से पहले काफी बज था. हालांकि फिल्म की रिलीज के बाद 'इंडियन 2 को क्रिटिक्स से निगेटिव रिव्यू मिला. फिल्म ने ओपनिंग तो अच्छी की लेकिन फिर दूसरे दिन से इसकी कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. फिल्म का रिलीज के 11 दिनो में बॉक्स ऑफिस पर दम निकलता हुआ नजर आ रही है. 'इंडियन 2 की कमाई की बात करें तो फिल्म ने 25.6 करोड़ से ओपनिंग की थी. पहले हफ्ते में फिल्म ने 70.4 करोड़ कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते के सेकंड फ्राइडे फिल्म ने 1.3 करोड़, दूसरे शनिवार 1.88 करोड़ और दूसरे रविवार 2.07 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं अब फिल्म की रिलीज के 11वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'इंडियन 2 ने रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को 1.16 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'इंडियन 2 का 11 दिनों का कुल कलेक्शन अब 76.81 करोड़ रुपये हो गया है. इस समय बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की बैड न्यूज जबरदस्त कमाई कर रही है. फिल्म ने रिलीज के चार दिनों में 32 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. वहीं प्रभास की कल्कि 2898 एडी भी रिलीज के 26 दिनों से बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है. इन दोनों फिल्मों के आगे सरफिरा और इंडियन 2 बेदम साबित हो रही है. 100 करोड़ के बजट में बनी सरफिरा की कमाई की रफ्तार देखते हुए तो ये लग रहा है कि ये 25 से 30 करोड़ ही लाइफटाइम कलेक्शन ही कर पाएगी. वहीं 'इंडियन 2 के लिए 100 करोड़ का आंकड़ा छूना मुश्किल लग रहा है.

मंडे टेस्ट में फेल हुई बैड न्यूज़, फिर भी 30 करोड़ का आंकड़ा किया पार

विक्की कौशल स्टारर लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'बैड न्यूज दर्शको को फुल एंटरटेनमेंट की डोज दे रही है. इस फिल्म की रिलीज से पहले ही काफी बज बन गया था जिसके चलते इसकी अच्छी प्री टिकट सेल भी हुई थी. वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद तो 'बैड न्यूज ने दर्शकों का दिल जीत लिया और इसने पहले दिन शानदार ओपनिंग की. वहीं वीकेंड पर फिल्म की कमाई में अच्छी-खासी तेजी देखी गई और इसने छप्परफाड़ कलेक्शन किया. चलिए यहां जानते हैं 'बैड न्यूज का मंडे टेस्ट का रिजल्ट कैसा रहा है? विक्की कौशल साल की अपनी पहली रिलीज फिल्म 'बैड न्यूज को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं. आनंद तिवारी निर्देशित इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया भी मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म विक्की और तृप्ति की जबरदस्त केमिस्ट्री और थिरकाने वाले गानों के साथ काफी लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही है. इसी के चलते 'बैड न्यूज को सिनेमाघरों में भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म की शुरुआत को अच्छी रही ही थी वहीं वीकेंड पर 'बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा दिया. 'बैड न्यूज की कमाई की बात करें तो फिल्म ने 8.3 करोड़ से खाता खोला था. इसके बाद इसने दूसरे दिन 23.49 फीसदी की तेजी के साथ 10.25 करोड की कमाई की और तीसरे दिन 'बैड न्यूज का कलेक्शन 8.78 फीसदी के उछाल के साथ 11.15 करोड़ रुपये रहा. वहीं अब 'बैड न्यूज की रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बैड न्यूज ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे को 3.5 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ 'बैड न्यूज का 4 दिनों का कुल कलेक्शन अब 33.2 करोड़ रुपये हो गया है. 'बैड न्यूज की कमाई में मंडे को बेशक गिरावट आई है और वीकडेज में ऐसा होना नॉर्मल है. हालांकि इस फिल्म ने साल 2024 की कई फिल्मों को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है. बता दें कि कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन चार दिन में महज 26.5 करोड़ का कलेक्शन कर पाई थी. शाहिद कपूर स्टारर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी चार दिनो में 30.75 करोड़ की कमाई कर पाई थी. सिद्धार्थ मल्होत्रा की योद्धा भी चार दिनो में महज 19 करोड़ कमा पाई थी और अजय देवगन की मैदान का चार दिनों का कलेक्शन भी 22 करोड़ रुपये था. वहीं'बैड न्यूज का चार दिनों का कलेक्शन 33 करोड़ से ज्यादा है.